NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 16 अंकः 19 लखनऊ, बुधवार 09 सितंबर 2026 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

7.8 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ पीएम मोदी बोले- भारत की अर्थव्यवस्था ने वैश्विक हलात में दुनिया को दिखाया रास्ता

एजेंसी।

दिल्ली। पीएम मोदी ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में कहा कि मुश्किल वैश्विक हालात के बावजूद भारत की अप्रैल–जून तिमाही में 7.8% जीडीपी ग्रोथ ने दुनिया को नई उम्मीद दी है। उन्होंने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और मैक्रो–इकोनॉमिक स्थिरता को उजागर करते हुए श्।श कैटेगरी में सॉवरेन रेटिंग अपग्रेड का भी जिक्र किया, जो वैश्विक भरोसे और आर्थिक सुधारों की रफ्तार को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि मुश्किल ग्लोबल हालात के बावजूद अप्रैल–जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ी। उन्होंने इस ग्रोथ रेट को दुनिया के लिए नई उम्मीद की किरण बताया, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया संघर्षों, व्यापारिक तनावों और ऊर्जा व तेल सप्लाई चेन में रुकावटों का सामना कर रही है। मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट के तीसरे चरण को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि दुनिया लंबे समय से

संघर्ष और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, जिसमें ऊर्जा और कमोडिटी सप्लाई चेन पर दबाव है और व्यापार को लेकर लगातार तनाव बना हुआ है। मोदी ने कहा कि अप्रैल–जून तिमाही खास तौर पर चुनौतीपूर्ण रही, लेकिन भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि ने इसकी अर्थव्यवस्था की मजबूती को साबित किया। मोदी ने आगे कहा कि ऐसे में भी, जब भारत 7.8% की दर से आगे बढ़ता है, तो दुनिया को एक नई उम्मीद दिखाई देती है। उन्होंने देश में बढ़ते ग्लोबल भरोसे के एक और सबूत के तौर पर भारत की बेहतर होती सॉवरेन रेटिंग की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा भारत की सॉवरेन रेटिंग को 'A' कैटेगरी में अपग्रेड किए जाने का जिक्र किया।पीएम मोदी ने कहा कि यह अपग्रेड लगभग तीन दशकों के बाद हुआ है। उन्होंने कहा कि यह भारत की आर्थिक विकास की रफ्तार, मैक्रो–इकोनॉमिक स्थिरता और हाल के वर्षों में किए गए स्ट्रक्चरल सुधारों में दुनिया के बढ़ते भरोसे को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में सुधार की प्रक्रिया और भी तेजी से जारी रहेगी। मोदी ने कहा कि भारत की सुधार एक्सप्रेस और भी तेजी से आगे बढ़ेगी। उन्होंने आर्थिक और स्ट्रक्चरल सुधारों की रफ्तार बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम, UPI के 10 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का फिनटेक सफर शानदार रहा है और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) इसकी सबसे बड़ी सफलताओं में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि UPI ने डिजिटल पेमेंट को इतना बदल दिया है कि अब फिनटेक पर कोई भी चर्चा इस प्लेटफॉर्म का जिक्र किए बिना अधूरी होगी। उन्होंने कहा कि कई देशों तक पहुँचने के बाद UPI का अगला कदम उन देशों के पेमेंट सिस्टम से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि हमने सिंगापुर के साथ ऐसा किया है, और नतीजतन, भारत और सिंगापुर के बीच ट्रांजैक्शन वैसे ही हो रहे हैं जैसे किसी शहर की दो सड़कों के बीच होते हैं। हमें दूसरे देशों और बाजारों के साथ भी ऐसा ही कनेक्शन बनाना है।

राजस्थान निकाय चुनावों में राजनीतिक सरगर्मी तेज है, जहाँ बीजेपी ने 41 बागी नेताओं को छह साल के लिए किया निष्कासित

एजेंसी।

राजस्थान निकाय चुनावों में राजनीतिक सरगर्मी तेज है, जहाँ बीजेपी ने 41 बागी नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर पार्टी अनुशासन का संदेश दिया है। चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद अब पार्टियाँ, विशेषकर बीजेपी, कमजोर बूथों और बागी उम्मीदवारों पर रणनीति बनाकर वोट मैनेजमेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। यह कदम आगामी मतगणना पर गहरा असर डाल सकता है। राजस्थान में नगर निकाय चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर है। राज्य के 309 शहरी स्थानीय निकायों के लिए वोटिंग 9 और 11 सितंबर को दो चरणों में होनी है। इस चुनावी मुकाबले के बीच, बीजेपी ने उन नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है जिन्होंने पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ा या निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। राज्य भर के 41 नेताओं और कार्यकर्ताओं को – जिनमें जयपुर के 26 लोग शामिल हैं – पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निकाल दिया गया है।पार्टी ने साफ कर दिया है कि आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ काम करना संगठन–विरोधी

गतिविधि और घोर अनुशासनहीनता है। पहले चरण में 39 जिलों के 168 नगर निकायों के 5,393 वार्डों के लिए वोटिंग बुधवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगी। सोमवार शाम को रैलियां, जनसभाएं, रोड शो और जुलूस खत्म हो गए और अब उम्मीदवार घर–घर जाकर प्रचार करने पर ध्यान दे रहे हैं।राज्य भर में कुल 10,245 वार्डों के लिए चुनाव हो रहे हैं। पहले चरण में 168 नगर निकाय शामिल हैं, जिनमें चार नगर निगम – पाली, भरतपुर, भीलवाड़ा और अलवर – भी हैं। जयपुर नगर निगम समेत 10 नगर निगमों में से छह में 11 सितंबर को वोटिंग होनी है। दोनों चरणों के वोटों की गिनती 14 सितंबर को होगी। पहले चरण में, 20,623 उम्मीदवारों की किस्मत तय करने के लिए 7,683 मतदान केंद्रों पर 5,752,278 मतदाता वोट डालेंगे। मतदाताओं की संख्या 2019 की तुलना में 27.24: ज्यादा है। चुनाव प्रचार खत्म होने के साथ ही, ठश्रच और कांग्रेस दोनों ने अपना ध्यान वोट और उम्मीदवार मैनेजमेंट पर केंद्रित कर दिया है। ठश्रच ने कमजोर बूथों की पहचान की है और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के नेटवर्क को सक्रिय किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समर्थक वोट डालने के लिए बाहर निकलें। पार्टी ने उन निर्दलीय और बागी उम्मीदवारों की सूची भी तैयार की है जिन्हें वह मजबूत दावेदार मानती है।

बिहार सीएम की चेतावनी जन-शिकायतें 30 दिन में निपटारा न होने पर होगी कड़ी कार्रवाई

एजेंसी।

पटना बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा तय 30 दिन की समय–सीमा के अंतर्गत जन–शिकायतों के त्वरित निपटारे हेतु उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित सहयोग कार्यक्रम के माध्यम से सरकार ने नागरिकों की जटिल समस्याओं को पारदर्शिता व संवेदनशीलता के साथ हल करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 8 सितंबर को कहा कि नागरिकों की शिकायतों का समाधान करना और उन्हें न्याय दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए श्सहयोग कार्यक्रमश को एक अहम जरिया बताया। पटना में मुख्यमंत्री सचिवालय में राज्य–स्तरीय श्सहयोग कार्यक्रमश आयोजित किया गया, जिसमें 137 आवेदकों ने अपनी शिकायतें रखीं। संबंधित विभागों और जिला प्रशासन को समय पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।चौधरी ने

अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे श्सहयोग कार्यक्रमश में जनता का भरोसा बनाए रखने पर जोर देते हुए, तय समय–सीमा के भीतर लोगों की शिकायतों को पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ निपटाएं। आवेदकों ने राजस्व और भूमि सुधार, शिक्षा, गृह, ग्रामीण कार्य, स्वास्थ्य, खाद्य और उपभोक्ता संरक्षण, समाज कल्याण और अन्य विभागों से जुड़े मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को तय समय–सीमा के भीतर मामलों का समाधान करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने आवेदकों को भरोसा दिलाया कि जरूरी कदम तुरंत उठाए जाएंगे।उन्होंने सलाह दी कि जिन आवेदकों की शिकायतों का समाधान पहले ही हो चुका है, उन्हें पटना में राज्य–स्तरीय कार्यक्रम में आने की जरूरत नहीं है। हालाँकि, जिनके मामले जटिल हैं और जिला स्तर पर हल नहीं हो पाए हैं, वे श्सहयोग कार्यक्रमश के जरिए समाधान पा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नागरिकों की शिकायतों का पारदर्शी, निष्पक्ष और तय समय–सीमा में समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य–स्तरीय कार्यक्रम जटिल मामलों की समीक्षा करने और उचित व त्वरित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है। इसके अलावा, चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि पात्र लाभार्थियों को बिना किसी देरी के वृद्धावस्था पेंशन और राशन कार्ड मिलें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तकनीकी कारणों से किसी भी पात्र व्यक्ति को सरकारी कल्याणकारी लाभों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

यूपी में बीजेपी का 2027 गेम प्लान योगी की 115 सीटों पर सेंधमारी, निशाने पर सपा-कांग्रेस का गढ़

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ ने 115 विधानसभा सीटों पर 38 हजार करोड़ की परियोजनाओं के साथ मेगा मिशन शुरू किया है। इन सीटों में से 58: पर 2024 लोकसभा चुनाव में सपा–कांग्रेस गठबंधन आगे रहा था, जिससे भाजपा इन गढ़ों पर अपनी पकड़ मजबूत कर यूपी चुनाव की तैयारी कर रही है।

अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। सियासी दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश देश का सबसे प्रमुख राज्य है और यह माना जाता है कि यहां जिसकी भी सरकार रहती है, उसका दिल्ली की राजनीति में भी दबदबा देखने को मिलता है। वर्तमान परिस्थितियों में देखें तो भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच ही मुख्य मुकाबला होता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि बहुजन समाज पार्टी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) को भी कम नहीं समझा जा सकता है। एक ओर मायावती के नेतृत्व वाली बसपा अपनी खोए हुए जनाधार को वापस लेने में जुटी है। तो वहीं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) चंद्रशेखर के नेतृत्व में दलित वोटबैंक पर नजर जमाए हुए है। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव अभी भी अपने च्क। समीकरण यानी कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। जबकि भाजपा पूरा चुनाव हिंदुत्व के मुद्दे पर ले जाना चाहती है। 115 सीटों पर फोकस वर्तमान में देखें तो योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश के अलग–अलग हिस्सों का दौरा कर रहे हैं। अलग–अलग परियोजनाओं का उद्घाटन करने के साथ ही वह विरोधियों पर भी निशाना साधने का मौका नहीं छोड़ रहे हैं। मई से लेकर अब तक अगर हम गौर करें तो उत्तर प्रदेश के 75 में से 44 से ज्यादा जिलों का दौरा योगी आदित्यनाथ ने कर लिया है। इन दौरों के दौरान उन्होंने 115 विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े परियोजनाओं

का उद्घाटन या आधारशिला किया है। इन 115 सीटों में से 58 फीसदी सीटे ऐसी हैं जहां लोकसभा चुनाव में विपक्षी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन आगे रहा था। यही कारण है कि भाजपा ने अभी से ही इन सीटों पर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। 2024 लोकसभा चुनाव की बात करें तो इन 115 विधानसभा क्षेत्रों में सपा–कांग्रेस गठबंधन को 67 सीटों पर बढ़त मिली थी। इसमें 54 समाजवादी पार्टी के खाते में गया था जबकि 13 विधानसभा में कांग्रेस के पक्ष में रहा था। भाजपा 47 पर ही आगे रही जबकि उसकी सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल को एक सीट पर बढ़त थी। 2022 के समीकरण को देखें तो 115 में से भाजपा ने 71 सीटों पर जीत दर्ज की थी जबकि तीन सीट पर अपना दल सोनेलाल और निषाद पार्टी ने दो सीट पर जीत हासिल की थी। समाजवादी पार्टी को सिर्फ 33 सीटें मिली थी जबकि उसके गठबंधन के उस समय सहयोगी रहे आरएलडी और सुभासपा को क्रमशः तीन और दो सीटें मिली थी। कांग्रेस सिर्फ एक सीट जीतने में कामयाब रही थी। इन 115 विधानसभा सीटों में 43 लोकसभा की सीटें आती हैं। 2024 में 21 पर समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की थी जबकि तीन सीटों पर कांग्रेस विजयी रही थी। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के खाते में 19 सीटें आई थीं। कांग्रेस ने रायबरेली, सहारनपुर और बाराबंकी में जीत हासिल की थी। समाजवादी घाट के खाते में मैनपुरी, इटावा, आजमगढ़, फिरोजाबाद के अलावा रामपुर, गाजीपुर, फतेहपुर, अंबेडकर नगर, श्रावस्ती, कैराना और जालौन जैसी सीटे शामिल हैं। भाजपा ने जिन सीटों पर जीत हासिल की थी उनमें आगरा, गोरखपुर, अमरोहा, बुलंदशहर, गाजियाबाद, कुशीनगर, पीलीभीत, हाथरस, गौतम बुद्ध नगर, देवरिया, अलीगढ़, झांसी और महाराजगंज शामिल है। आरएलडी को बागपत और बिजनौर में जीत मिली थी। योगी का दौरा कहां–कहां हुआ योगी के दौरा की कुछ महत्वपूर्ण सीटों की बात करें तो इसमें रायबरेली शामिल है जहां उन्होंने 24 अगस्त को दौरा किया था इस दौरान उन्होंने 879 करोड रुपए के प्रोजेक्ट का उद्घाटन और शिलान्यास किया था। यह प्रोजेक्ट बछरावां, हरचंदपुर और रायबरेली से जुड़ी हुई है। इन तीनों ही सीटों पर कांग्रेस 2024 लोकसभा चुनाव में आगे रही है। योगी आदित्यनाथ ने 26 जुलाई को मैनपुरी में भी कार्यक्रम किया था। मैनपुरी को समाजवादी पार्टी का गढ़ माना जाता रहा है। अखिलेश यादव खुद वहीं से आते हैं। इसके अलावा भाजपा के लिए 2024 में सबसे बड़ा झटका फैजाबाद अयोध्या में लगा था। यहां भी मुख्यमंत्री ने ताबड़तोड़ दौरे किए हैं और अलग–अलग सौगात दिए हैं। मुख्यमंत्री का फोकस अपने गृह जिला गोरखपुर में भी रहता है। साथ ही साथ वह बनारस पर भी विशेष ध्यान रखते हैं क्योंकि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय सीट है।समीकरणों की परीक्षा 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि मायावती अगर मजबूत होती है तो फिर इससे भाजपा को फायदा हो सकता है। अगर मायावती के वोटो में बिखराव होता है तो भी भाजपा को फायदा हो सकता है। लेकिन अगर मायावती का वोट सपा या कांग्रेस को ट्रांसफर होता है तो यह भाजपा के लिए मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा चंद्रशेखर रावण पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 45 सीटों पर अपनी जोर लगा रहे हैं। अगर इन 45 सीटों पर कांग्रेस या समाजवादी पार्टी से उनका गठबंधन हो जाता है तब बीजेपी के लिए बेचौनी का सबब बन सकता है।

योगी सरकार की जीरो टालरेंस पालिसी लापरवाही पर 5 तहसीलदार सस्पेंड, 13 को थमाया कारण बताओ नोटिस

संवाददाता।

, लखनऊ। योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत राजस्व मामलों में लापरवाही और उदासीनता पर कड़ी कार्रवाई की गई है। राजस्व अदालतों में लंबित वादों के समयबद्ध निस्तारण में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने पांच तहसीलदारों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि 13 तहसीलदारों व नायब तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। 7 सितंबर को प्रदेश के सभी राजस्व न्यायालयों में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा–34 के तहत दाखिल वादों की तहसीलवार और अधिकारीवार गहन समीक्षा की गई थी, जिसके बाद यह सख्त कार्रवाई की गई। इससे पहले भी हुई थी कार्रवाई निलंबित किए गए अधिकारियों में अमित यादव तहसीलदार संडीला हरदोई, कृष्ण कुमार मिश्रा तहसीलदार देवरिया, सौरभ कुमार तहसीलदार जौनपुर, रंजन वर्मा तत्कालीन नायब तहसीलदार अयोध्या व सम्प्रति तहसीलदार गाजीपुर और अलख शुक्ला तहसीलदार जनपद प्रतापगढ़ शामिल हैं। इससे पहले 1 सितंबर 2026 को भी चार तहसीलदारों और एक नायब तहसीलदार को निलंबित किया गया था। यह कार्रवाई 29 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री द्वारा राजस्व अदालतों में लंबित वादों के समयबद्ध निस्तारण की उच्चस्तरीय समीक्षा के बाद दिए गए निर्देशों के क्रम में की जा

रही है। समीक्षा में राजस्व वादों का निर्धारित समय सीमा के भीतर हर स्थिति में निस्तारण सुनिश्चित करने और किसी भी स्तर पर बरती गई लापरवाही अथवा उदासीनता पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।इसके अलावा वादों के निस्तारण में बरती गई लापरवाही के दृष्टिगत 13 तहसीलदारों व नायब तहसीलदारों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इनमें चंद्रशेखर वर्मा तत्कालीन तहसीलदार देवरिया व सम्प्रति तहसीलदार गोरखपुर, गोपाल जी तत्कालीन नायब तहसीलदार देवरिया व सम्प्रति नायब तहसीलदार कुशीनगर, रविरंजन कश्यप तहसीलदार जौनपुर, राकेश कुमार तत्कालीन तहसीलदार जौनपुर व सम्प्रति तहसीलदार बलरामपुर, कविता ठाकुर तत्कालीन तहसीलदार बाराबंकी व सम्प्रति तहसीलदार गोंडा, देवानन्द तिवारी तत्कालीन तहसीलदार सुल्तानपुर व सम्प्रति तहसीलदार फिरोजाबाद, स्नेहल वर्मा तत्कालीन नायब तहसीलदार अयोध्या व सम्प्रति नायब तहसीलदार लखनऊ, राहुल सिंह तहसीलदार अमेठी, अनिल कुमार तहसीलदार प्रतापगढ़, यजुवेन्द्र सिंह नायब तहसीलदार लखनऊ, सुखवीर सिंह नायब तहसीलदार लखनऊ, रमाशंकर मिश्रा नायब तहसीलदार रायबरेली और शार्द सिंह तहसीलदार लखनऊ शामिल हैं। राजस्व परिषद की ओर से इन अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू की जा रही है। मामलों में जवाबदेही निर्धारित करते हुए नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।मुख्यमंत्री द्वारा की गई समीक्षा के क्रम में राजस्व परिषद द्वारा राजस्व न्यायालयों के कार्यों की प्रगति और निस्तारण की स्थिति पर विशेष निगरानी रखते हुए अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जा रही है।राजस्व परिषद ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई सिर्फ एक बार होने वाली कार्रवाई नहीं, बल्कि एक सतत और निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण में लापरवाही और उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।

2027 का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र बचाने का चुनाव होगा- अखिलेश यादव

लखनऊ, । समाजवादी छात्र सभा की बैठक बुधवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान छात्र सभा के कार्यकर्ता और नेता बड़ी संख्या में नीली पैंट और नीली टी–शर्ट में मौजूद रहे।बैठक को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने भाजपा पर नई पीढ़ी को दिशा भ्रमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र बचाने का चुनाव होगा। भाजपा सरकार में शिक्षा और रोजगार के रास्ते बंद कर दिए गए हैं। नफरत फैलाना और समाज को बांटना ही भाजपा का एजेंडा है। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास की विरोधी है और इसी कारण प्रदेश में परिवर्तन अवश्यंभावी है।अखिलेश यादव ने कहा कि नई पीढ़ी के विकास में समाजवादी विचारधारा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। समाजवादी सरकार के समय शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में जो व्यवस्थाएं विकसित की गई थीं, भाजपा सरकार ने उन्हें आगे बढ़ाने के बजाय बर्बाद करने का काम किया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में वास्तविक विकास कार्य समाजवादी सरकार के कार्यकाल में हुए थे और भाजपा सरकार के पास जनता को गिनाने

के लिए एक भी उल्लेखनीय काम नहीं है।पूर्व मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि समाजवादी सरकार के समय सभी को मुफ्त इलाज की व्यवस्था का लाभ मिलता था। गंभीर बीमारियों जैसे हृदय, किडनी, कैंसर और लीवर से संबंधित उपचार भी मुफ्त उपलब्ध कराया जाता था। उन्होंने कहा कि लखनऊ में उच्च स्तरीय कैंसर अस्पताल की स्थापना समाजवादी सरकार के समय की गई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने उसे बर्बाद कर दिया है।अखिलेश यादव ने कृषि क्षेत्र की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है। कृषि के विकास और उत्पादन में वृद्धि के लिए किसानों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान उपेक्षित और कर्जदार है तथा मजबूरी में उसे आत्महत्या का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का नौजवान भी रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलने से परेशान है।उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण में समाजवादियों की बड़ी जिम्मेदारियां हैं। लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता का रास्ता समाजवाद का रास्ता है। संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दी गई आर्थिक और सामाजिक आरक्षण की व्यवस्था को समाप्त करने की कोशिशें की जा रही हैं। ऐसे में समाजवादी कार्यकर्ताओं को संविधान और सामाजिक न्याय की व्यवस्था की रक्षा के लिए जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभानी होगी।अखिलेश यादव ने समाजवादी कार्यकर्ताओं से काशी में संयम बनाए रखने और जन–जन तक पीडीए का संदेश पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पीडीए के माध्यम से ही सकारात्मक सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन संभव होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भाजपा से सावधान रहने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा एक षड्यंत्रकारी पार्टी है और जनता को मूल मुद्दों से भटकाने में माहिर है।उन्होंने छात्र सभा के कार्यकर्ताओं से शिक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और संविधान के मुद्दों को लेकर युवाओं के बीच संवाद बढ़ाने तथा समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने का आह्वान किया।

राजस्व मामलों में लापरवाही पर पांच तहसीलदार निलंबित, 13 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

लखनऊ, । योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत राजस्व मामलों में लापरवाही और उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। राजस्व अदालतों में लंबित वादों के समयबद्ध निस्तारण में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने पांच तहसीलदारों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि 13 तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।राजस्व परिषद के स्तर पर 7 सितंबर को प्रदेश के सभी राजस्व न्यायालयों में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 34 के तहत दाखिल वादों की तहसीलवार और अधिकारीवार गहन समीक्षा की गई। समीक्षा में लंबित मामलों के निस्तारण की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाए जाने के बाद संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।निलंबित किए गए अधिकारियों में अमित यादव, तहसीलदार संडीला, हरदोईय कृष्ण कुमार मिश्रा, तहसीलदार देवरियाय सौरभ कुमार, तहसीलदार जौनपुरय रंजन वर्मा, तत्कालीन नायब तहसीलदार अयोध्या एवं वर्तमान में तहसीलदार गाजीपुर तथा अलख शुक्ला, तहसीलदार प्रतापगढ़ शामिल हैं।इससे पहले भी 1 सितंबर 2026 को चार तहसीलदारों और एक नायब तहसीलदार को निलंबित किया गया था। राजस्व मामलों में लगातार की जा रही यह कार्रवाई 29 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राजस्व अदालतों में लंबित वादों के समयबद्ध निस्तारण को लेकर की गई उच्चस्तरीय समीक्षा के बाद दिए गए निर्देशों के क्रम में की जा रही है।मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान राजस्व वादों का निर्धारित समय सीमा के भीतर हर स्थिति में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने स्पष्ट किया था कि राजस्व मामलों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। इसी के तहत राजस्व परिषद द्वारा राजस्व न्यायालयों के कामकाज की नियमित निगरानी और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया तेज की गई है।लंबित वादों के निस्तारण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने तथा कार्य में लापरवाही के दृष्टिगत 13 तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इनमें चंद्रशेखर वर्मा, तत्कालीन तहसीलदार देवरिया एवं वर्तमान तहसीलदार गोरखपुरय गोपाल जी, तत्कालीन नायब तहसीलदार देवरिया एवं वर्तमान नायब तहसीलदार कुशीनगरय रविरंजन कश्यप, तहसीलदार जौनपुरय राकेश कुमार, तत्कालीन तहसीलदार जौनपुर एवं वर्तमान तहसीलदार बलरामपुरय कविता ठाकुर, तत्कालीन तहसीलदार बाराबंकी एवं वर्तमान तहसीलदार गोंडाय देवानन्द तिवारी, तत्कालीन तहसीलदार सुल्तानपुर एवं वर्तमान तहसीलदार फिरोजाबाद शामिल हैं।इसके अलावा स्नेहल वर्मा, तत्कालीन नायब तहसीलदार अयोध्या एवं वर्तमान नायब तहसीलदार लखनऊय राहुल सिंह, तहसीलदार अमेठीय अनिल कुमार, तहसीलदार प्रतापगढ़य यजुवेन्द्र सिंह, नायब तहसीलदार लखनऊय सुखवीर सिंह, नायब तहसीलदार लखनऊय रमाशंकर मिश्रा, नायब तहसीलदार रायबरेली तथा शार्द सिंह, तहसीलदार लखनऊ को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।राजस्व परिषद की ओर से इन अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू की जा रही है। अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के बाद उनकी जवाबदेही निर्धारित करते हुए नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।शासन की ओर से राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री की समीक्षा के बाद राजस्व परिषद द्वारा राजस्व न्यायालयों के कार्यों की प्रगति और मामलों के निस्तारण की स्थिति पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसका उद्देश्य लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी लाने के साथ ही राजस्व प्रशासन में जवाबदेही और कार्यप्रणाली की पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।राजस्व परिषद ने स्पष्ट किया है कि अधिकारियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई केवल एक बार की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि सतत निगरानी का हिस्सा है। राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण में लापरवाही और उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। समयबद्ध निस्तारण में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने अथवा कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ बिना किसी शिथिलता के नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश को वस्त्रोद्योग का देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए बड़े निवेश को उद्योग जगत उत्साहित

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश को वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में उद्योग जगत ने बड़े निवेश की इच्छा जताई है। 'यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव–2026' के उद्घाटन समारोह में पूर्व राज्यसभा सदस्य, उद्योगपति, समाजसेवी तथा रामकी समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष अल्ला अयोध्या रामी रेड्डी ने प्रदेश में निवेश के लिए उपलब्धा अनुकूल वातावरण की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में हो रहे तेज विकास और बेहतर औद्योगिक वातावरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश उद्योगों के लिए निवेश और विकास की व्यापक संभावनाओं वाला महत्वपूर्ण गंतव्य बनकर उभरा है।रामी रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश जिस गति से आगे बढ़ रहा है, उसी दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश को नई सोच, अनुशासन और प्रभावी प्रशासन के साथ आगे ले जा रहे हैं। प्रदेश में सुरक्षा, स्थिरता और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था से उद्योगपतियों में निवेश का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि उद्योगपति ऐसे स्थान पर निवेश करना चाहते हैं, जहां उन्हें सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद वातावरण मिले। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ संसाधनों से भी समृद्ध है। मजबूत राजनीतिक नेतृत्व और सक्षम प्रशासनिक व्यवस्था उद्योग जगत को प्रदेश में निवेश के लिए विश्वास प्रदान कर रही है।उन्होंने कहा कि वस्त्रोद्योग देश के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण उद्योगों में शामिल है। तमिलनाडु ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उत्तर प्रदेश को वस्त्रोद्योग में देश का नंबर एक राज्य बनाने के लिए तमिलनाडु सहित सफल राज्यों के अनुभवों से सीख लेकर प्रदेश की परिस्थितियों के अनुरूप ठोस कार्ययोजना तैयार करनी होगी। इसके लिए सरकार और उद्योग जगत को मिलकर काम करना होगा।रामी रेड्डी ने कहा कि लखनऊ के आसपास तथा प्रदेश के चार–पांच स्थानों पर विकसित किए जा रहे वस्त्रोद्योग केंद्र और पार्क इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश सरकार वस्त्रोद्योग के विकास को लेकर गंभीर है और इसके लिए दीर्घकालिक तैयारी की जा रही है। स्थिर वातावरण, बेहतर आधारभूत ढांचा और सस्ती उपयोगी सेवाएं उपलब्धा कराने का सरकार का आश्वासन उद्योग जगत के लिए महत्वपूर्ण है। 'काम के पास आवास' की अवधारणा के साथ निजी क्षेत्र की श्रेष्ठ औद्योगिक इकाइयों को इन केंद्रों में लाने से उद्योग और श्रमिक दोनों को लाभ होगा तथा वस्त्रोद्योग का समग्र विकास तेज गति से हो सकेगा।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के वस्त्रोद्योग क्षेत्र में बड़े निवेश की आवश्यकता है और उद्योग जगत इसके लिए प्रतिबद्ध है। देशभर का उद्योग जगत प्रदेश में वस्त्रोद्योग के विकास को लेकर आशान्वित है और इस विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश देश के साथ–साथ वैश्विक वस्त्रोद्योग के मानचित्र पर भी मजबूत पहचान स्थापित करेगा।कॉन्फ्लेव में प्रीकॉट लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ के उपाध्यक्ष अश्विन चंद्रन ने कहा कि भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव के बीच खरीदार अब केवल लागत ही नहीं, बल्कि गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, स्थिरता, उत्पादकता और समय पर आपूर्ति को भी प्राथमिकता दे रहे हैं।उन्होंने कहा कि भारत के पास कच्चे माल से तैयार उत्पाद तक पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला और विशाल घरेलू बाजार उपलब्ध है। अगले पांच वर्षों में भारतीय वस्त्र एवं परिधान बाजार को वर्तमान लगभग 180 अरब डॉलर से बढ़ाकर 350 अरब डॉलर और निर्यात को करीब 37 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। इसके लिए बड़े पैमाने पर विस्तार, एकीकृत औद्योगिक तंत्र, तकनीकी उन्नयन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स के बढ़ते उपयोग की आवश्यकता होगी।चंद्रन ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास युवा कार्यबल, मजबूत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम आधार, वस्त्र एवं परिधान समूह, हथकरघा–हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा और विशाल घरेलू बाजार है। प्रदेश तकनीकी वस्त्र, टिकाऊ एवं पुनर्चक्रित उत्पाद तथा उच्च मूल्य वाले घरेलू वस्त्रों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विस्तार के लिए स्थिर नीतियां, तैयार आधारभूत ढांचा, प्रतिस्पर्धी दरों पर बिजली–पानी, बेहतर परिवहन, कुशल मानव संसाधन और त्वरित स्वीकृतियां आवश्यक हैं।उन्होंने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ भारत सरकार के साथ समर्थ योजना के तहत वस्त्र क्षेत्र में कौशल विकास के लिए कार्य कर रहा है। इसी अनुभव के आधार पर संगठन उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर मौजूदा

जिलाधिकारी प्रयागराज ने भरा नेत्रदान संकल्प पत्र

प्रयागराज। जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा ने आज नेत्रदान संकल्प पत्र भर कर लोगों के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। क्षेत्रीय नेत्र संस्थान, एम.डी. नेत्र चिकित्सालय में 25 अगस्त से 8 सितंबर, 2026 तक 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के आयोजन के क्रम में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा उपस्थित रहे।जिलाधिकारी ने नेत्रदान को मानवता की महान सेवा बताते हुए लोगों से मृत्यु के बाद अपने नेत्रदान का संकल्प लेने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वयं नेत्रदान का संकल्प पत्र भरकर समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। साथ ही जिलाधिकारी की धर्मपत्नी डॉ0 अंकिता राज ने भी नेत्रदान का संकल्प पत्र भरने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि नेत्रदान का एक निर्णय किसी दृष्टिहीन व्यक्ति के जीवन में प्रकाश ला सकता है।41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान क्षेत्रीय नेत्र संस्थान द्वारा व्यापक जनजागरूकता के उद्देश्य से चिकित्सकों की टीमों को आसपास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया। इस जागरूकता अभियान के दौरान लोगों को मृत्यु के बाद नेत्रदान की प्रक्रिया, कॉर्नियल अंधत्व में इसकी उपयोगिता तथा समय पर सूचना देने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रो. एस.पी. सिंह, निदेशक प्रो. संतोष कुमार, प्रो. जागृति राणा, आई बैंक प्रभारी डॉ. आरती सिंह तथा सीएमएस डॉ. एस.एस. सिन्हा सहित चिकित्सक, ऑप्टोमेट्रिस्ट, जूनियर रेजिडेंट एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अंडर-15 महिला क्रिकेट चयन मैच में भाग लेंगी हंसी और नमस्या

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की 15 वर्ष से कम आयु वर्ग की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों के चयन मैच का आयोजन 12 एवं 13 सितंबर को कमला क्लब, कानपुर में किया जाएगा। चयन मैच के लिए प्रयागराज की दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों हंसी सिंह और नमस्या सिंह का चयन किया गया है।इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की निदेशक डॉ. जूली ओझा ने बताया कि दोनों खिलाड़ियों को 11 सितंबर 2026 को शाम 6 बजे तक कमला क्लब, कानपुर में रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। चयन मैच व्हाइट किट और रेड बॉल से खेले जाएंगे। चयन प्रक्रिया में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर आगे की टीम के लिए चयन किया जाएगा।खिलाड़ियों को जरूरी दस्तावेज साथ लाने होंगेचयन मैच में शामिल होने वाली खिलाड़ियों के लिए कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं। खिलाड़ियों को आधार कार्ड की मूल प्रति, जिसमें पिछले तीन माह के भीतर की अपडेटेड फोटो हो, साथ लानी होगी। इसके अलावा डिजिटल बार कोड वाला कम्प्यूटरीकृत जन्म प्रमाणपत्र, सत्र 2023–24, 2024–25 एवं 2025–26 की पिछली तीन कक्षाओं की मार्कशीट तथा वर्तमान कक्षा का स्कूल बोनाफाइड प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना होगा।

आप कार्यकर्ताओं ने मनाया अरविंद केजरीवाल का जन्मदिन

प्रयागराज। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के जन्मदिवस के अवसर पर आम आदमी पार्टी प्रयागराज के कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय में केक काट कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनके दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना करते हुए जनहित की राजनीति को और मजबूती देने का संकल्प लिया।आम आदमी पार्टी प्रयागराज के जिला अध्यक्ष सर्वेश यादव ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी ने देश की राजनीति में आम आदमी के मुद्दों को मजबूती से उठाने का काम किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और जनसुविधाओं जैसे मुद्दों को राजनीति के केंद्र में लाने का उनका प्रयास देशभर के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी है।सर्वेश यादव ने कहा कि आज देश में लोकतंत्र, जनहित और जवाबदेह राजनीति को मजबूत करने की आवश्यकता है। आम आदमी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को उठाने और उनके समाधान के लिए संघर्ष करता रहेगा। कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर अरविंद केजरीवाल जी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं उज्ज्वल सार्वजनिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता डॉ नीरज, जिला महासचिव सौरभ सिंह, रविन्द्र श्रीवास्तव, रेणुका राय, मो. अजमल, अरुण कुशवाहा, मो.रिजवान, नीरज भारतीय, अभिजीत श्रीवास्तव, नीतू कनौजिया, आजमा प्रवीण,मो. जैद आदि साथी मौजूद रहे।

प्रयागराज कराटे क्लब के खिलाड़ियों ने कोलकाता में किया शानदार प्रदर्शन

प्रयागराज। प्रयागराज कराटे क्लब के खिलाड़ियों ने कोलकाता में आयोजित कराटे चौंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल एक टीम ट्रॉफी, 2 स्वर्ण, 3 रजत और 9 कांस्य पदक हासिल किए। खिलाड़ियों ने सेंसई मिथुन निषाद के नेतृत्व में जापान फुनाकोशी शोतोकान कराटे एसोसिएशन की ओर से आयोजित चौंपियनशिप में प्रतिभाग किया। टी प्रतियोगिता में रुद्र केसरवानी और यश सिंह ने काटा स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं प्रताप केसरवानी ने काटा, प्रिशा ने कुमिते और सिद्धांत श्रीवास्तव ने कुमिते में रजत पदक जीता।कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में प्रिशा (काटा), अख्यांश सेठी (काटा व कुमिते), प्रताप केसरवानी (कुमिते), राजकुमार कुशवाहा (काटा व कुमिते), सिद्धांत श्रीवास्तव (काटा), यश सिंह (कुमिते) और अभय गुप्ता (काटा) शामिल रहे।

क्लब के प्रशिक्षक एवं मार्गदर्शक सेंसई मिथुन निषाद ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।प्रयागराज कराटे क्लब परिवार ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर प्रयागराज का नाम गौरवान्वित किया है।

विश्व बंधुत्व दिवस पर समाज को श्रेष्ठ बनाने का आह्वान

प्रयागराज। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के तत्वावधान में मंगलवार को राष्ट्र सेविका समिति की ओर से विश्व बंधुत्व दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने की। राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख पदाधिकारियों में डॉ. ऋतु शर्मा, अखिल भारतीय प्रमुख कार्यवाहिका डॉ. सुरभि जी, उत्तर प्रदेश क्षेत्र प्रमुख डॉ. शशि दीदी जी, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र प्रचारिका श्रीमती उषा मिश्रा, काशी प्रांत व्यवस्था प्रमुख श्रीमती प्रिया तिवारी एवं प्रयागराज विभाग कार्यवाहिका ने सहभागिता की। सभी पदाधिकारियों का स्वागत कॉलेज की प्राचार्या प्रो. अर्चना पाठक ने किया। उन्होंने विश्व बंधुत्व की भावना पर प्रकाश डालते हुए आर्य समाज के आदर्श 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' का उल्लेख किया और समाज को श्रेष्ठ बनाने का आह्वान किया। अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती के बाद देश में हुए अनेक महापुरुष उनके जीवन मूल्यों और आदर्शों से प्रभावित रहे। कार्यक्रम में डॉ सुरभि, प्रो. इभा सिरोठिया, श्रीमती नीना प्रजापति, श्रीमती ऋचा अवस्थी, डॉ. श्याम कान्त त्रिपाठी, डॉ. अमित पांडेय, प्रो. नीलांजना जैन, प्रो. अंजू श्रीवास्तव, डॉ. ज्योति रानी, डॉ. श्रुति एवं भाजपा प्रवक्ता डॉ. ऋचा सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित हुए गजेन्द्र सिंह सोलंकी

प्रयागराज। हंसवाहिनी संस्था द्वारा प्रयागराज के सिविल लाइन क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रचनाकार गजेंद्र सिंह सोलंकी जी को साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें स्मृति चिन्ह शॉल , प्रशस्ति पत्र इत्यादि भेंट किया। प्रयागराज जनपद में अंतरराष्ट्रीय ख्याति लब्धरचनाकार ओज के प्रख्यात हस्ताक्षर गजेंद्र सिंह सोलंकी के आगमन पर उनका भव्य अभिनंदन एवं स्वागत किया गया।उक्त अवसर पर गजेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि प्रयागराज साहित्यकारों की भूमि है, इस साहित्य की राजधानी कहते है यहां हमेशा से साहित्य कला और संगीत की पूजा होती रही है, ऐसे में हंस वाहिनी संस्था द्वारा मुझे मिला यह सम्मान निः संदेह मां गंगा जमुना सरस्वती का आशीर्वाद है। संस्था के महासचिव प्रख्यात गीतकार शैलेंद्र मधुर , सचिव डॉक्टर आभा मधुर श्रीवास्तव, डॉ सुशील कुमार सिन्हा, एवं संजय पुरुषार्थी जी एवं अमित जौनपुरी ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया। संस्था की सचिव डॉ आभा श्रीवास्तव मधुर ने गजेंद्र सोलंकी के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनका स्वागत और अभिनंदन किया। सम्मान समारोह में सत्यशील सहाय, श्याम सुरत पांडे सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गंगा-यमुना के जलस्तर में मामूली गिरावट दर्ज

प्रयागराज। जिले में गंगा और यमुना के जलस्तर में पिछले चार घंटे के दौरान मामूली गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार शाम 4 बजे तक यमुना का जलस्तर नैनी में 81.42 मीटर, गंगा का जलस्तर फाफामऊरू 81.83 मीटर, छतनाग में 80.88 मीटर, और एसटीपी बक्शी बांधरू 81.56 मीटर, दर्ज किया गया है। खतरे का निशान 84.734 मीटर है।संगम स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर में बाढ़ का पानी अभी भी भरा हुआ है। लगातार 10वें दिन श्री लेटे हनुमान जी शयन अवस्था में हैं और मंदिर का गर्भगृह अब भी जलमग्न है। हालांकि, गंगा–यमुना का जलस्तर अब धीरे–धीरे नीचे उतरने लगा हैमंगलवार सुबह 8 बजे जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नदियों के जलस्तर में पिछले 24 घंटे में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि कमी की रफ्तार अलग–अलग स्थानों पर अलग है। फिलहाल दोनों नदियां खतरे के निशान से काफी नीचे बह रही हैं और जिले के सभी तटबंध सुरक्षित हैं।गंगा–यमुना का जलस्तर घटने के बावजूद प्रयागराज के कुछ प्रमुख इलाके और धार्मिक स्थल अभी भी पानी में डूबे हुए हैं।

मानदेय बढ़ने की घोषणा से आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं में खुशी की लहर

बरकछा स्थित बीएचयू के सभागार में किया गया कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

श्रम का सम्मान करने के लिए कार्यकत्रियों व सहायिकाओं ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी व कैशलेस इलाज उपलब्ध कराए जाने की गई घोषणा से जिले की आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं में खुशी की लहर है। कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने मुख्यमंत्री की घोषणा को अपने सम्मान और उत्साह को बढ़ाने वाला कदम बताया है। उनका कहना है कि सरकार की ओर से उनकी मेहनत और जिम्मेदारियों को महत्व दिया जाना उनके लिए बेहद खुशी की बात है। अयोध्या में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का यहां बरकछा स्थित बीएचयू के राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के सभागार में लाइव प्रसारण किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां व सहायिकाएं मौजूद रहीं।

आंगनवाड़ी केंद्र चिल्ह तृतीय की आंगनवाड़ी कार्यकत्री विद्यादेवी ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कार्यकत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि मानदेय बढ़ने से उन्हें बहुत खुशी हुई है। विद्यादेवी ने कहा कि सरकार ने कैशलेस इलाज की सुविधा से उन्हें जोड़कर उनके श्रम का सम्मान किया है। आंगनवाड़ी केंद्र मलाधरपुर प्रथम की सहायिका क्रांति देवी ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र पर कार्यकत्री के साथ मिलकर बच्चों और महिलाओं से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में सहयोग करना उनकी नियमित जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मानदेय बढ़ने व कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की घोषणा से उनकी जैसी हजारों सहायिकाओं में उत्साह बढ़ा है। सरकार का यह कदम उनके परिवार के लिए भी राहत और खुशी लेकर आने वाला है। इसी तरह आंगनवाड़ी केंद्र अमोई द्वितीय की कार्यकत्री संजीता देवी ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार और लाभार्थियों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करती हैं। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से लेकर महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में उनका अहम योगदान होता है। ऐसे में सरकार द्वारा मानदेय बढ़ाए जाने व कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने से उन्हें अपने दायित्वों को और बेहतर ढंग से निभाने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के हित में उठाए जा रहे कदम उनके मनोबल को बढ़ाने वाले हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आयोध्या में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय 8 हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये व सहायिकाओं का मानदेय 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 6 हजार रुपये करने की घोषणा की है। इसके साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं तथा उनके परिवार को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की घोषणा की है।

सुभारती ललित कला की छात्रा रिद्धि तेज्यान ने फोटोग्राफी में जीता पुरस्कार

विजडम इंडिया।

देहरादून। डॉ. मुक्ति भटनागर सब्हारती स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स

एंड फैशन डिजाइन, रस बिहारी बोस सब्हारती विश्वविद्यालय, देहरादून की छात्रा रिद्धि तेज्यान ने उत्तराखंड न्यूज कैमरामैन एसोसिएशन द्वारा आयोजित फोटोग्राफी कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फोटोग्राफी पुरस्कार प्राप्त कर विश्वविद्यालय एवं विभाग का नाम गौरवान्वित किया।

रिद्धि तेज्यान को यह पुरस्कार उनके उत्कृष्ट फोटोग्राफिक कार्य, रचनात्मक दृष्टिकोण एवं फोटोग्राफी के क्षेत्र में प्रतिभा के लिए प्रदान किया गया। उनकी इस उपलब्धि से विभाग के विद्यार्थियों में भी उत्साह का संचार हुआ है तथा उन्हें कला एवं फोटोग्राफी के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है।

विश्वविद्यालय के माननीय अध्यक्ष श्री अतुल कृष्ण, माननीय कुलपति डॉ. देश दीपक, शैक्षणिक निदेशक श्रीमती अवनी कमल तथा अधिष्ठाता डॉ. रीता तेवारी ने रिद्धि तेज्यान की इस उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियाँ विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय हैं तथा अन्य विद्यार्थियों को भी अपने–अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती हैं।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष श्री संतोष कुमार ने रिद्धि तेज्यान को उनकी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने बताया कि सब्हारती विश्वविद्यालय से पाँच विद्यार्थियों ने इस फोटोग्राफी कार्यक्रम में भाग लिया था, जबकि विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से लगभग 200 विद्यार्थियों ने इसमें प्रतिभाग किया। इन सभी प्रतिभागियों में से रिद्धि तेज्यान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह पुरस्कार प्राप्त किया।

विभागाध्यक्ष ने कहा कि विद्यार्थियों को कला के साथ–साथ फोटोग्राफी जैसे रचनात्मक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर मिलते रहने चाहिए। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक क्षमता को निखारने, नए अनुभव प्राप्त करने तथा अपनी प्रतिभा को व्यापक मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। उन्होंने रिद्धि तेज्यान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रतिभागी विद्यार्थियों की तैयारी श्री श्याम दुबे ने विभागाध्यक्ष श्री संतोष कुमार के मार्गदर्शन एवं सहयोग से कराई थी। श्री श्याम दुबे एवं विभागाध्यक्ष के संयुक्त मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के लिए तैयारी की, जिसके परिणामस्वरूप रिद्धि तेज्यान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

विश्वविद्यालय परिवार एवं विभाग के समस्त शिक्षकों ने भी रिद्धि तेज्यान को उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बिना स्वीकृति निर्माण पर विकास प्राधिकरण की कार्रवाई, दो स्थल सील

(मथुरा) मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण (विप्रा) ने अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन के निर्देश और सचिव आशीष कुमार के मार्गदर्शन में प्राधिकरण की टीम ने बिना स्वीकृत मानचित्र और अनुमति के किए जा रहे दो निर्माण स्थलों को सील कर दिया। कार्रवाई से अवैध निर्माण कराने वालों में हड़कंप मच गया।

पहली कार्रवाई भादल–सौख क्षेत्र में की गई। यहां राम किशोर द्वारा करीब 200 वर्ग मीटर के भूखंड पर बिना किसी स्वीकृत मानचित्र और अनुमति के आगे की तरफ चार दुकानों एवं व्यावसायिक निर्माण कराया जाना पाया गया। प्राधिकरण की ओर से उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम–1973 की धारा 27(1) के तहत वाद संख्या MTDA/Z4/ANI/2026/0000996 दर्ज करते हुए नोटिस जारी किए गए थे। निर्माण से संबंधित स्वीकृत मानचित्र और दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर सोमवार को स्थल को सील कर दिया गया। इसी क्रम में दूसरी कार्रवाई गोवर्धन क्षेत्र के ग्राम जतीपुरा–गाठौली रोड पर की गई। यहां अजीत मोहन कौशिक द्वारा करीब 450 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बिना स्वीकृति के होटल अजीत पैलेस का संचालन किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान स्थल पर निर्माण और संचालन से संबंधित कोई स्वीकृति अथवा स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया गया। मामले में वाद आईडी संख्या डज्क।ध्2ध00001269 दर्ज की गई थी। आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर प्राधिकरण की टीम ने होटल स्थल को भी सीलबंद कर दिया। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार मथुरा–वृंदावन क्षेत्र में अनधिकृत रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों और बिना स्वीकृति भवन निर्माण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन के निर्देशन में समय–समय पर अवैध निर्माणों को चिन्हित कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि किसी भी भूखंड पर निर्माण कराने से पहले प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराना सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में सीलिंग या अन्य कार्रवाई से बचा जा सके।

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय में ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

मीरजापुर। माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, देवरी कला मड़िहान, मीरजापुर परिसर में आज ब्रह्माकुमारी संस्थान के तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर को हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा।

वृक्षारोपण कार्यक्रम से पूर्व ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा मीरजापुर की प्रमुख बिंदु दीदी की ओर से उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के लिए ध्यान एवं आध्यात्मिक एकाग्रता का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने ध्यान के माध्यम से मानसिक शांति, सकारात्मक सोच, आत्मअनुशासन तथा संतुलित जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला।

ध्यान प्रशिक्षण के पश्चात विश्वविद्यालय परिसर में बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रतिनिधियों एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों ने परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने में ही महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाते, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल पर भी विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम से पूर्व कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने ब्रह्माकुमारी संस्थान की प्रमुख बिंदु दीदी सहित संस्थान के सभी उपस्थित सदस्यों को अंगवस्त्र एवं तुलसी का पौधा देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा ध्यान, आध्यात्मिक जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़कर किया जा रहा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है।

इस अवसर पर स्टील प्लांट गैलेन्ट इस्पात लिमिटेड चुनार के जनरल मैनेजर निखिल कुमार, विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक श्री हरीश चंद, कुलसचिव श्री राम नारायण, शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. भवभूति मिश्र, के.बी.पी.जी. कालेज के प्राचार्य प्रो. रविन्द्र द्विवेदी, स्नेहलता द्विवेदी, प्रो. नम्रता मिश्रा, प्रो. कुलदीप पांडेय, नवनियुक्त शिक्षक डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. आशुतोष राय, डॉ. विभा रानी सिंह, डॉ. अतुल किशोर शाही, डॉ. विजय कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मथुरा में न्यायिक अधिकारी के आवास में चोरी, लाइसेंसी पिस्टल समेत लाखों के जेवरात ले गए चोर

(मथुरा)

थाना सदर बाजार क्षेत्र के अति सुरक्षित माने जाने वाले सिविल लाइन स्थित जज कॉलोनी में चोरों ने न्यायिक अधिकारी के आवास को निशाना बना लिया।

जन्माष्टमी के अवसर पर परिवार के साथ गृह जनपद रोहतक गए अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के बंद मकान का ताला तोड़कर चोर सोने–चांदी के आभूषण, नकदी और लाइसेंसी पिस्टल चोरी कर ले गए। पुलिस ने न्यायिक अधिकारी की पत्नी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जन्माष्टमी पर गए थे रोहतक

सिविल लाइन स्थित जज कॉलोनी के आवास संख्या श्र–09 में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट परिवार के साथ रहते हैं। 4 सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर वह परिवार के साथ मकान में ताला लगाकर अपने गृह जनपद रोहतक चले गए थे। इसी दौरान चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाया। चोरों ने मुख्य दरवाजे के साथ ही अंदर के कमरों और बेडरूम के ताले तोड़कर अलमारियों को खंगाला।

डिलीवरी बॉय ने दी जानकारी

6 सितंबर की सुबह करीब सवा 11 बजे एक डिलीवरी बॉय सामान पहुंचाने आवास पर पहुंचा। वहां उसने मकान का ताला खुला देखा। उसने दिए गए संपर्क नंबर पर फोन कर इसकी जानकारी न्यायिक अधिकारी की पत्नी को दी। इसके बाद उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए घर के अंदर का जायजा लिया तो बेडरूम समेत कई स्थानों के ताले टूटे दिखाई दिए। सूचना मिलने के बाद परिवार रविवार देर शाम वापस मथुरा पहुंचा।

आभूषण और पिस्टल चोरी

घर की जांच करने पर 8 जोड़ी सोने के कुंडल, दो सोने की अंगूठियां, सोने की चेन, पेंडल, रुद्राक्ष की चेन, दो सोने की नथिया, दो चांदी के सिक्के, 100 ग्राम सोने का बिस्किट और अलमारी में रखे 25 हजार रुपये गायब मिले। इसके अलावा चोर न्यायिक अधिकारी की लाइसेंसी पिस्टल भी चोरी कर ले गए। लाइसेंसी हथियार चोरी होने की सूचना से पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

न्यायिक अधिकारी की पत्नी की शिकायत पर सदर बाजार पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि चोरों की पहचान कर जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा।

जे पी पब्लिक स्कूल लोनहा लखनऊ द्वारा जनपदीय वुशू प्रतियोगिता 2026 का शानदार आयोजन किया गया

छात्रों में प्रतियोगिता में शामिल होने को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया

विजडम इंडिया।

आज विद्यालय जे० पी० पब्लिक स्कूल लोनहा जनपदीय बालकध् बालिका वुशू प्रतियोगिता 2026 का आयोजन चौक स्टेडियम बहुउद्देशीय हॉल लखनऊ में किया। प्रतियोगिता में जनपद के 16 से अधिक विद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया , अंडर 19और अंडर 17 , दोनों वर्गों में 8 गोल्ड और 3 सिल्वर के साथ जनता गर्ल्स इंटर कालेज चौम्पियन रहा एवं जेव पीव पब्लिक स्कूल लोन्हा 3 गोल्ड और 1 सिल्वर पाकर दूसरे स्थान पर रहा,कुल 34 खिलाड़ी मंडलीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग हेतु चुने गए। समस्त विजयी प्रतिभागियों को उनके द्वारा प्राप्त किए गए स्थानानुसार मेडल एवं प्रमाण पत्र श्री श्याम किशोर तिवारी, अपर निदेशक, बेसिक शिक्षा उत्तर प्रदेश श्री विश्वजीत पाण्डे मण्डल सचिव, श्री अमित श्रीवास्तव जनपद क्रीड़ा सचिव, श्री वेद प्रकाश यादव, श्रीमती मुक्ता बब्बर एवं श्रीमती बीना मिश्रा अध्यक्ष जे० पी० मिशन न्यास, शशिभाल अवस्थी संरक्षक जे० पी० पब्लिक स्कूल तथा श्रीमती गीता अवस्थी उपाध्यक्ष जे० पी० मिशन न्यास द्वारा वितरित किए गए।

अन्त में जे० पी० पब्लिक स्कूल की दिव्यानी मिश्रा सह संयोजक एवं प्रदीप शुक्ला जे० बी० आर इण्टर कॉलेज, रामबाबू गंगवार प्रबंधक जे० पी० पब्लिक स्कूल तथा श्रीमती ऊषा मिश्रा प्रबंधक जे० पी० मिशन न्यास के द्वारा समस्त विद्यालयों को मेडल

प्रदान करनेवाले पश्चात श्री वैभव मिश्रा न्यासी जे० पी० मिशन न्यास ने समस्त प्रतिभागियों को उत्साह वर्धन के साथ–साथ श्री आकाश मौर्या शारीरिक शिक्षक एवं वुशू कोच जे० पी० पब्लिक स्कूल का कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु धन्यवाद दिया।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना द्वारा तहसील सदर उपाध्यक्ष की नियुक्ति

मीरजापुर, श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष सेवक श्री दिलीप सिंह गहरवार जी के निर्देशानुसार एवं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आदरणीय शीला शेखावत जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्षध् रा० संगठन मंत्री श्री योगेन्द्र सिंह कटार जी, प्रदेश अध्यक्ष उ०प्र० श्री राकेश सिंह रघुवंशी जी की सहमति से एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है।

संगठन के प्रति निष्ठा, समर्पण और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका को देखते हुए श्री किशन सिंह पुत्र श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, निवासी धौरहरा, पोस्ट कोल्हुआ, जिला मीरजापुर को तहसील सदर उपाध्यक्ष, मीरजापुर के पद पर मनोनीत किया गया है।

जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार जी ने कहा कि श्री किशन सिंह के आने से मीरजापुर सदर तहसील में संगठन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि करणी सेना हमेशा राजपूत समाज के साथ–साथ सर्व समाज के हितों, युवाओं के सम्मान और राष्ट्रहित के लिए कार्य करती आ रही है।

नवनियुक्त तहसील सदर उपाध्यक्ष श्री किशन सिंह ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह माँ करणी और महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलते हुए संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

इस अवसर पर संगठन के समस्त पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारी को शुभकामनाएं दी।

नवनियुक्त काशी क्षेत्र महामंत्री विद्याधर तिवारी का भाजपा जिला कार्यालय पर किया गया जोरदार स्वागत

मीरजापुर ।भारतीय जनता पार्टी मीरजापुर के जिला कार्यालय बरौधा कचार मीरजापुर के सभागार में नवनियुक्त काशी क्षेत्र महामंत्री श्री विद्याधर तिवारी जी का ढोल–नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया । कार्यक्रम का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज जी के नेतृत्व में पुरजागीर, लाल डिग्गी, मुकेरी बाजार, संगमोहाल, इमरती रोड़ के पश्चात् भारतीय जनता पार्टी मीरजापुर जिला कार्यालय पर जोरदार स्वागत किया गया । इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त क्षेत्रीय महामंत्री श्री विद्याधर तिवारी जी का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण से स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी । कार्यकर्ताओं में उत्साह और उमंग का माहौल रहा । कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री श्री स्वामीनाथ सिंह जी ने किया ।

इस अवसर पर विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, निवर्तमान जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सिंह पटेल, गंगासागर दुबे, उत्तर कुमार मौर्य, मनोज जायसवाल, दिनेश तिवारी, अनिल सिंह, बालेंदुमणि त्रिपाठी, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष जगदीश सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष हेमंत त्रिपाठी, सुनीता शर्मा, इंद्र कुमार सिंह, बैजनाथ प्रजापति, उदयभान तिवारी, जिला महामंत्री रविशंकर पांडेय एवं डॉ. सी. एल. बिन्द, जिला मंत्री संध्या पटेल, रोहित त्रिपाठी, आलोक सिंह, पूनम चौरसिया, जिला कोषाध्यक्ष चंद्रांशु गोयल, जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा आभा पटेल, जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा दिनेश सिंह, जिला कार्यालय मंत्री मनोज दुबे, जिला आईटी संयोजक अमित सिंह, जिला सह मीडिया प्रभारी पं. विजय शक्ति दुबे एवं रतन कुमार सिंह, शुभम जायसवाल, भाजपा जिला महामंत्री पुष्पेंद्र द्विवेदी, अभिनव प्रताप सिंह सहित मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

जनपद न्यायालय परिसर की दुकान नंबर-08ध साइकिल स्टैंड की 6 माह के लिए नीलामी, 19 सितंबर को होगी खुली बोली

मीरजापुर 08 सितम्बर 2026– अध्यक्ष नीलामी समिति, अपर जनपद न्यायाधीश कक्ष संख्या–06, जनपद न्यायालय मीरजापुर श्री आशिक इकबाल रिजवी ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि जनपद न्यायालय परिसर में स्थित दुकान संख्या–08ध्साइकिल स्टैंड की नीलामी की जाएगी।

दुकान की नीलामी वर्ष 2026–27 की शेष अवधि अंतिम 06 माह हेतु की जा रही है। जिसकी अवधि 01 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक रहेगी। इसके लिए न्यूनतम धरोहर धनराशि 10,000 रुपये तथा रिजर्व बिड की धनराशि 46,750 रुपये निर्धारित की गई है।

इच्छुक व्यक्ति धरोहर धनराशि 10,000 रुपये नगद मय प्रार्थना पत्र के साथ दिनांक 08.09.2026 से दिनांक 17.09.2026 को शाम 4रू00 बजे तक नजारत अनुभाग में जमा कर सकते हैं।

खुली बोली की कार्रवाई नियमानुसार दिनांक 19 सितंबर 2026 को शाम 4रू00 बजे जनपद न्यायालय मिर्जापुर स्थित मीटिंग हॉल में होगी।

अधिक जानकारी हेतु केंद्रीय नाजिर, जनपद न्यायालय मिर्जापुर से किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान संपर्क कर सकते हैं। जनपद न्यायाधीश मिर्जापुर को किसी भी बोली को बिना कोई कारण बताएं निरस्त करने का पूर्ण अधिकार है।

ब्रिक्स 2026 भारत की कूटनीतिक क्षमताओं को चुनौती देता

ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48: आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39: हिस्सा थे। 2026 में ग्लोबल जियो पॉलिटिक्स के मौजूदा माहौल के आधार पर, ब्रिक्स एक इकोनॉमिक इन्वेस्टमेंट के शॉर्ट फॉर्म से बढ़कर एक बड़ी इंस्टीट्यूशनल ताकत बन गया है जो उभरते हुए मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर को आकार दे रहा है। इसके महत्व, उपलब्धियों, चुनौतियों और ब्रिक्स विरोधी बातों को सुलझाने के प्रयासों को समझना आवश्यक है।मल्टीपोलर दुनिया में ब्रिक्स का महत्व ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48: आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39: हिस्सा थे।भारत की 2026 ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के तहत, इस की गाइडिंग थीम ष्बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटीष है। कमजोर ग्लोबल गवर्नेंस, प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसी और बढ़ती जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता के दौर में, ब्रिक्स साउथ–साउथ सहयोग के लिए एक सही विकल्प देता है जो पारंपरिक दबदबे और हुक्म से रहित है। यह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को अपनी पार्टनरशिप में विविधता लाने और ग्लोबल गवर्नेंस में अपनी आवाज बुलंद करने की इजाजत देता है, बिना कोल्ड वॉर–स्टाइल के बाइनरी अलाइनमेंट में मजबूर हुए।ब्रिक्स की खास उपलब्धियांब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका सफर आसान नहीं था। कई चुनौतियों के बावजूद यह अपने अनेक लक्ष्यों को हासिल कर सका। कुछ मुख्य उपलब्धियां हैं स्ट्रेटेजिक विस्ताररू ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक अपनी पहुंच बढ़ाई है। 2026 तक, इस ब्लॉक में ऑफिशियली 11 सदस्य देश शामिल हैंरू ओरिजिनल पांच (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) प्लस मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब (हालांकि सऊदी अरब अपने फॉर्मल स्टेटस को लेकर कुछ डिप्लोमैटिक अस्पष्टता बनाए हुए है)। ष्पार्टनर देशोंष का संस्थागतकरणरू मुख्य फैसले लेने की क्षमता को कम किए बिना अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, ब्रिक्स ने एक फॉर्मल ष्पार्टनर देशष कैटेगरी शुरू की। 2025 में, दस देशकृबेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनामकृऑफिशियल पार्टनर के तौर पर शामिल हुए, जिससे एंगेजमेंट के लिए एक फ्लेक्सिबल फ्रेमवर्क बना।न्यू डेवलपमेंट बैंक (एन डी बी) की उपलब्धियाँरू एन डी बी ने हाल ही में अपनी 10वीं वर्षगाँठ मनाई, जिसमें क्लीन एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में 120 से ज्यादा बड़े प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस किया गया। इसने ग्लोबल साउथ को पार्टनरशिप, सॉवरेनिटी और शेयर्ड प्रायोरिटीज पर बना एक मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक सफलतापूर्वक दिया है, न कि वेस्टर्न–लेड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स से जुड़ी कंडीशनैलिटीज पर।इंट्रा–ब्रिक्स ट्रेड ग्रोथरू मेंबर्स के बीच दो दशकों के ट्रेड एक्सपेंशन ने डेवलप हो रहे इकोनॉमिक संबंधों को सामने लाया है, जिससे साउथ–साउथ ट्रेड के नए, रेसिलिएंट पैटर्न बने हैं जो बाहरी झटकों से कम वल्नरेबल हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने 5 सितंबर, 2026 को कहा कि इंट्रा–ब्रिक्स मर्चेंडाइज ट्रेड अब कई गुना बढ़ गया है, जो मेंबर देशों के बीच गहरे ट्रेड इंटीग्रेशन और मजबूत इकोनॉमिक कोऑपरेशन के लिए बहुत ज्यादा अनटैप्ड पोटेंशियल को हाईलाइट करता है। 2003 में +84 बिलियन से 2024 में +1.17 ट्रिलियन तक इंट्रा–ब्रिक्स मर्चेंडाइज ट्रेड 13 गुना बढ़ गया, जो 13.3 परसेंट की सालाना एवरेज रेट से बढ़ रहा है, जो इसी समय के दौरान 5.7 परसेंट की ग्लोबल ट्रेड ग्रोथ से काफी ज्यादा है। भविष्य की चुनौतियाँ भारत के लिए अलग–अलग चुनौतियों के बीच ब्रिक्स को आगे ले जाना आसान नहीं होगा। उनमें से कुछ ये हैं ब्रिक्स कनेक्ट्स को लागू करनारू भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता की पहल ष्ब्रिक्स कनेक्ट्सष का उद्देश्य सदस्य देशों के नागरिकों को लाभ पहुँचाने को प्राथमिकता देना है। इसके मुख्य फोकस एरिया में डिजिटल पेमेंट और फाइनेंशियल इनक्लूजन (वित्तीय समावेश) को बढ़ाना, एजुकेशनल डिग्री को आपसी मान्यता देना, सस्ता इंटरनेट और इंसानों पर केंद्रित ए आई, एक नया ब्रिक्स स्टार्टअप नॉलेज हब, और बेहतर ट्रेड कॉरिडोर शामिल हैं, जिनसे लॉजिस्टिक्स की लागत कम हो सकती है और सामान सस्ता हो सकता है।

अंदरूनी सोच में विभिन्नतारू यह ग्रुप एक जैसा ग्रुप नहीं है, जिससे आम सहमति बनाना मुश्किल हो जाता है। इसमें बहुत अलग–अलग जियोपॉलिटिकल सोच वाले देश हैं, जिनमें वे देश शामिल हैं जो पश्चिम का सक्रिय रूप से सामना कर रहे हैं (जैसे, रूस, ईरान) से लेकर वे देश भी शामिल हैं जो पश्चिमी देशों (जैसे, भारत, ब्राजील) के साथ मजबूत स्ट्रेटेजिक और इकोनॉमिक संबंध बनाए हुए हैं। नएस्थान तलाशें इंस्टीट्यूशनल एकता बनाम विस्ताररू ब्रिक्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि वह खुद को ज्यादा बढ़ाए बिना अपनी बढ़ती जियोपॉलिटिकल अहमियत को ठोस इंस्टीट्यूशनल असर में बदले। तेजी से विस्तार से इस ग्रुप के बेकाबू होने और निर्णायक रूप से काम करने की इसकी क्षमता कम होने का खतरा है। अलग–अलग इकोनॉमिक प्राथमिकताएँरू फाइनेंशियल इंटीग्रेशन पर सदस्यों के अलग–अलग विचार हैं। जहां कुछ लोग वेस्ट से तेजी से फाइनेंशियल डीकपलिंग पर जोर देते हैं, वहीं दूसरे प्रैक्टिकल इकोनॉमिक डेवलपमेंट को प्राथमिकता देते हैं और बड़े फाइनेंशियल बदलावों के नतीजों से डरते हैं। ब्रिक्स विरोधी कोशिशों और बातों पर ध्यान देनाब्रिक्स उस पश्चिमी नैरेटिव को बेअसर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है जिसके तहत इसे ष्पश्चिम–विरोधी क्लबष या एक विघटनकारी ताकत के तौर पर देखा जाता है। इन कोशिशों से निपटने के लिए यह कई रणनीतियाँ अपनाता हैरू इसे भी पढ़ेंरू सहयोग, समावेश और समाधान...ठत्प्धै में क्या खेला करने भारत आ रहे रूस, चीन और ईरान रेटिव को नए सिरे से पेश करनारू 2026 में भारत की अध्यक्षता में नेतृत्व ने टकराव वाली छवि को स्पष्ट रूप से खारिज किया है। आधिकारिक राजनयिक रुख इस बात पर जोर देता है कि ष्ब्रिक्स पश्चिम–विरोधी नहीं हैय यह संतुलन का पक्षधर हैष और ष्ब्रिक्स देशों को ळ7–विरोधी नहीं बनना चाहिए, और ळ7 को ब्रिक्स –विरोधी नहीं बनना चाहिए।ष यह समूह खुद को स्वाभाविक रूप से विरोधी के बजाय ष्गैर–पश्चिमीष और सुधारवादी के तौर पर पेश करता है। डी–डॉलरलाइजेशन पर व्यावहारिक और क्रमिक दृष्टिकोणरू गंभीर आर्थिक जवाबी कार्रवाई (जैसे टैरिफ की धमकियाँ) से बचने के लिए, ब्रिक्स ने डी–डॉलरलाइजेशन से जुड़ी अपनी बयानबाजी को नरम किया है। अमेरिकी डॉलर या ब्रिक्स की साझा मुद्रा को अचानक और पूरी तरह से बदलने के बजायकृजिसका भारत जैसे सदस्यों ने स्पष्ट रूप से विरोध किया हैकृयह समूह व्यावहारिक और क्रमिक बदलाव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें स्थानीय मुद्रा में लेन–देन को बढ़ावा देना, द्विपक्षीय स्वैप समझौते और व्यापार के लिए डिजिटल मुद्रा के ढांचे की संभावनाओं को तलाशना शामिल है। समावेशी बहुपक्षवाद पर ध्यानरू ब्रिक्स लगातार व्यापक न्छ सुधार, बहुपक्षीय व्यापार सुधार और समावेशी वैश्विक शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। मौजूदा संस्थानों को पूरी तरह खत्म करने के बजाय उनमें सुधार की वकालत करके, ब्रिक्स कई उदारवादी देशों का समर्थन हासिल करता है। ष्एक्सक्लूसिव ब्लॉकष (सीमित समूह) की धारणा को कम करनारू ष्पार्टनर कंट्रीष मॉडल की शुरुआत रणनीतिक रूप से उन देशों को शामिल करती है जो अमेरिका के सहयोगी या साझेदार भी हैं (जैसे थाईलैंड, मलेशिया और कजाकिस्तान)। इससे पता चलता है कि ब्रिक्स के साथ जुड़ना पश्चिमी देशों के साथ संबंधों के खिलाफ नहीं है, जिससे इस समूह को राजनयिक रूप से अलग–थलग करने की कोशिशें कमजोर पड़ती हैं। निष्कर्ष2026 में ब्रिक्स एक जटिल बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इसकी अहमियत श्ग्लोबल साउथश को एक व्यवस्थित और संस्थागत आवाज देने की क्षमता में निहित है। भारत, जो 2012, 2016 और 2021 के बाद चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय और व्यापारिक बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के अपने प्रयासों को भी प्रदर्शित किया। लेकिन ब्रिक्स की दीर्घकालिक सफलता आंतरिक मतभेदों को सुलझाने, एन डी बी जैसे तंत्रों के माध्यम से ठोस आर्थिक लाभ पहुँचाने और एक व्यावहारिक व सुधार–उन्मुख रुख बनाए रखने पर निर्भर करेगी, जो ब्रिक्स को रोकने की कोशिशों को बेअसर कर सके।

सम्पादकीय

नीति में उचित बदलाव लाए

पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति के गंभीर परिणाम सामने होने के बावजूद सरकार में इस नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि वह इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न ना बनाए।

केंद्र के इस दावे पर यकीन करना कठिन है कि चीनी आयात के फैसले का पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट से कोई संबंध नहीं है। अभी हाल तक अच्छी फसल वाले साल में भारत 70 लाख टन तक चीनी का निर्यात करता था। अब दस लाख टन चीनी आयात करने की नौबत आई है। गणित सीधा है। खबरों के मुताबिक 28 फीसदी इथेनॉल का उत्पादन गन्ने से हो रहा है। अनुमान है कि जितना गन्ना इसमें लगा, उससे 30 लाख टन चीनी बन सकती थी। ऐसा होता, तो देश में मांग की तुलना लगभग 20 लाख टन अतिरिक्त चीनी उपलब्ध रहती।

इसलिए इस धारणा में दम है कि वाहनों में ईंधन के रूप इथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की गुमराह नीति विदेशी मुद्रा की किल्लत के दौर में चीनी जैसी सामान्य वस्तु के आयात के लिए जिम्मेदार है। लेकिन बात यहीं तक नहीं है। चावल जैसे आम अनाज का भी इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल बढ़ रहा है। खबरों के मुताबिक बीते अप्रैल–जुलाई के बीच भारतीय खाद्य निगम ने इस मकसद से 23.42 लाख टन चावल बेचा। वित्त वर्ष 2025–26 में इससे दो गुना चावल इसके लिए बेचा गया था। इस रुझान में किस तेजी से वृद्धि हुई है, इसे जानने के लिए इस पर गौर करना पर्याप्त होगा कि 2023–24 तक महज 8.96 लाख टन चावल का इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल हुआ था। इस उद्देश्य के लिए मक्के का उपयोग भी बढ़ा है।

संभवतरू ऐसी ही सूचनाओं से चिंतित होकर कुछ रोज पहले नरेंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागश्वेरन ने एक अखबार में लेख लिख कर अपनी चिंता जताई थी। उन्होंने इथेनॉल उत्पादन में बड़े पैमाने पर पानी के इस्तेमाल को लेकर भी आगाह किया था। तब तक चीनी आयात का फैसला सामने नहीं आया था। अब चूंकि इथेनॉल का यह परिणाम सामने है, तो बाकी चिंताएं भी अधिक गंभीर हो गई हैं। मगर सरकार के अंदर पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि बिना प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाए वह तुरंत इस नीति में उचित बदलाव लाए।

राम मंदिर और तीन तलाक दोनों चुनाव प्रचार का मुद्दा

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की उन उपलब्धियों की बात करें, जो सचमुच बताने लायक हैं या जिन्हें सही अर्थों में उपलब्धि कह सकते हैं तो उसमें सबसे पहले जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और अनुच्छेज 35ए हटाने का फैसला है। हालांकि इन्हें हटाने से पहले भी इनका असर बहुत कम रह गया था। फिर भी इन दोनों को हटाना बड़ा फैसला था। अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य का विभाजन करने के बाद वहां शांति बनाए रखना और आतंकवादी घटनाओं को तुलनात्मक रूप से कम कर देना बड़ी उपलब्धि है। हालांकि उसके बाद जो बदलाव होने चाहिए थे और जम्मू कश्मीर को जिस तरह भारत की मुख्यधारा से जुड़ना चाहिए था वह नहीं हो सका।

इसी तरह नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए एक वास्तविक उपलब्धि है। जिस तरह दुनिया में यहूदियों के लिए एक देश इजराइल है वैसे ही हिंदुओं के लिए एक देश भारत है। इसलिए यह कानून होना चाहिए कि अगर कोई हिंदू कहीं से प्रताड़ित होकर भारत आता है तो उसे नागरिकता मिले। इस दिशा में सीएए से एक पहल हुई। हालांकि यह कानून सिर्फ पड़ोस के इस्लामिक देशों से आने वाले गैर मुस्लिमों के लिए है फिर भी यह अच्छी पहल है। हालांकि सरकार ने कानून बनाने के बाद पांच साल तक इसके नियम अधिसूचित नहीं किए और जब किए भी तो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आए गैर हिंदुओं को नागरिकता देने की रफ्तार बहुत धीमी और प्रक्रियागत परेशानियां ज्यादा हैं।

ऐसे ही राम मंदिर के निर्माण को कम से कम भाजपा के नजरिए से उपलब्धि कह सकते हैं क्योंकि भाजपा ने इसे दशकों पहले अपना राजनीतिक मिशन बनाया था। हर चुनाव में घोषणापत्र में इसे शामिल किया जाता था। भले जमीन का फैसला सुप्रीम कोर्ट ने किया लेकिन यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि केंद्र में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार आने के बाद मंदिर निर्माण का काम आसान हो गया। अदालत के फैसले के बाद रिकॉर्ड टाइम में इसे बनाया गया। हालांकि आने वाली पीढ़ियों के लिए इसमें भी स्मृति चढ़ावा चोरी की रहेगी।

मुस्लिम महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए तीन तलाक खत्म करने और उसे अपराध बनाने का कानून भी एक बड़ा सुधारवादी कदम है। हालांकि राम मंदिर और तीन तलाक दोनों भाजपा के लिए चुनाव प्रचार का मुद्दा हैं।

सत्य निकेतन हादसा जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर–स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र–पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे–छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता–पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा।

विकास के आंकड़ों की जांच-परख

डॉ. सौरभ गर्ग और डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन

अभिषेक आनंद, जोश फेल्मन और अरविंद सुब्रमण्यन ने यह पूछा है कि जिस तिमाही में ऊर्जा के क्षेत्र में जोरदार झटके लगे हों, उसमें भारत की विकास दर आखिर 7.8 प्रतिशत कैसे हो सकती है। बेशक, यह एक उचित सवाल है। इसका एक जवाब भी है और वह जवाब पिछले कुछ वर्षों से सबके सामने ही है।

समय से ही शुरुआत करते हैं। इस तिमाही की अवधि अप्रैल से जून 2026 तक थी। इससे ठीक पहले ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इजराइल के बीच का संघर्ष चरम पर पहुंच गया था। तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और भारत ने इसका असर महसूस किया। हालांकि मार्च और अप्रैल के शुरुआती दिनों में इस जबरदस्त व्यवधान में कमी आई। मई आते–आते दबाव के बदल छंट गए। जून तक, मुश्किल दौर बीत चुका था। तीन महीने वाली तिमाही की शुरुआत के कुछ मुश्किल हफ्ते उस तिमाही के आंकड़ों को मनगढ़ंत नहीं बना देते।उन महीनों के सबूत एक ही दिशा की ओर इशारा करते हैं। ऑटोमोबाइल की बिक्री में निरंतर बढ़ोतरी हुई। एक प्रतिस्पर्धी मुद्रा की मदद से बैंक ऋण और निर्यात में बढ़ोतरी हुई। जीएसटी की दरों में कटौती के बावजूद, इसका संग्रह मजबूत बना रहा और हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इसमें 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2025–26 तक के तीन वर्षों में, जीएसटी के सकल संग्रह में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि श्नॉमिनल जीडीपीश में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये दोनों आंकड़े बिल्कुल अलग–अलग क्षेत्रों से आए हैं और दोनों ही लगभग एक–दूसरे से मेल खाते हैं। जीएसटी रिटर्न कंपनियां दाखिल करती हैं। ऋण संबंधी आंकड़े बैंकों से आते हैं। व्यापार के आंकड़े बंदरगाहों से आते हैं। इनमें से कोई भी आंकड़ा सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा तैयार नहीं किया जाता है।

अर्थव्यवस्था आखिर टिकी क्यों रही? क्योंकि कई सुधारों को एक साथ अपनाया गया। वर्ष 2022–23 के बाद से केन्द्र सरकार का पूंजीगत व्यय 65 प्रतिशत बढ़ा है और इस वर्ष इसमें 11.5 प्रतिशत और बढ़ोतरी का बजट रखा गया है। एक दशक में बनाई गई सड़कें, बंदरगाहें और बिजली संयंत्र तेल के महंगे होने पर ठप्प नहीं पड़े। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने अनौपचारिक गतिविधियों के एक बड़े हिस्से को औपचारिक बनाया और उन्हें मापी जा सकने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल किया है। दिवाला संहिता ने डूबे हुए कर्ज (बैड डेट) से निपटने के बैंकों और कंपनियों के तौर–तरीकों को बदल दिया। रियल एस्टेट कानून ने उस सेक्टर को साफ–सुथरा बनाया, जो कभी अटकी हुई परियोजनाओं और पैसे के अपारदर्शी लेन–देन के लिए जाना जाता था। श्द इकोनॉमिस्ट्श ने 2023 में उस सफाई अभियान का उल्लेख किया था। उसने नई दिल्ली पर कोई मेहरबानी नहीं की थी।इसके बाद, तेल की कीमतों में अचानक आए उछाल से निपटने के लिए सरकार ने जो कुछ किया, वह भी सामने है। उसने कीमतों में हुई बढ़ोतरी का बोझ आम परिवारों और कंपनियों पर नहीं डाला। उसने इसकी लागत खुद वहन की। राजकोषीय गुंजाइश (फिस्कल स्पेस) का उद्देश्य ही यही है और भारत ने इसे तैयार किया है। इसका सबूत 2 सितंबर को मिला। जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को बीबीबी से बढ़ाकर ए– कर दिया और इसके साथ ही स्थिर संभावना भी जताई। इसके अलावा, देश की रेटिंग सीमा (कंट्री सीलिंग) को भी ए कर दिया। भारत को तीन दशकों से अधिक समय से श्एश रेटिंग नहीं मिली है। एजेंसी ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, जीएसटी, दिवाला संहिता और सकल गैर–निष्पादित ऋण अनुपात (ग्रॉस नॉन–परफॉर्मिंग लोन रेश्यो) के 1.8 प्रतिशत तक कम होने का उल्लेख किया। उसने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार ने उच्च पूंजीगत व्यय को जारी रखते हुए भी अपने राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2025 में जीडीपी के 4.7 प्रतिशत से घटाकर वित्तीय 2026 में 4.4 प्रतिशत कर लिया। टोक्यो स्थित एक रेटिंग समिति के लिए दिल्ली में किसी को खुश करने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने भी उन्हीं सुधारों को देखा और वही नतीजा निकाला।

अब आलोचना के मुख्य बिंदु पर आते हैं। लेखकगण पूछते हैं कि अगर आज ये संकेतक 7.8 प्रतिशत की विकास दर को सही ठहराते हैं, तो पूर्व के वर्षों में वैसी ही विकास दर कमजोर संकेतकों के साथ क्यों संभव हुई थी? यह मान लेना कि विकास हमेशा एक जैसी चीजों से ही संभव होती है, जरूरी नहीं है। निर्यात और औपचारिक ऋण से प्रेरित तिमाही, घरेलू खर्च या सरकारी निवेश से चलने वाले वर्ष जैसी नहीं होगी। पूर्व के वर्षों में विकास के अपने कारण थे, जो उस समय साफ दिख रहे थे। वर्ष 2024–25 तक, शेयर बाजार तेजी से चढ़ा और अधिक संख्या में भारतीयों ने निवेश करना शुरू किया। वर्ष 2022–23 और 2024–25 के बीच परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में 60 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। गैर–बैंक और तकनीक–आधारित ऋणदाता तेजी से बढ़े। वाणिज्यिक क्षेत्र में कुल संसाधनों का प्रवाह तीन वर्षों में 72 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें गैर–बैंकों की हिस्सेदारी 96 प्रतिशत बढ़ी। ये असली कारण थे। बस, वे अलग थे।मार्च 2023 से मार्च 2026 के बीच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए बकाया ऋण में 66.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जुलाई 2026 में भी यह बढ़ोतरी लगभग 25 प्रतिशत की दर से जारी थी। ऐसा कहा जाता है कि ऊर्जा की कीमतों में अचानक उछाल से छोटी कंपनियों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। लेकिन उन्हें ऋण देने वाले इस बात से सहमत नहीं दिखते। ऋणदाता आम तौर पर उन कंपनियों को ऋण नहीं देते, जिनके असफल होने की आशंका होती है।

लेखकों के तर्क की तह में यह बात छिपी है कि सांख्यिकी मंत्रालय का काम सरकार की छवि को बेहतर दिखाना है। लेकिन आंकड़े इस बात की पुष्टि नहीं करते। वर्ष 2023–24 के लिए, मंत्रालय ने विकास दर के अनुमान को 9.2 प्रतिशत (पुरानी श्रृंखला के तहत) से घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया था। यानी, उन्होंने खुद ही लगभग दो प्रतिशत अंक कम कर दिए। अन्य आरोपों के मामले में भी गणित खिलाफ जाता है।

वर्ष 2024–25 में, नई श्रृंखला के तहत नॉमिनल जीडीपी की विकास दर पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम रही – 9.8 प्रतिशत के मुकाबले 9.4 प्रतिशत – जबकि असल विकास बढ़ी। नॉमिनल जीडीपी सरकार के राजकोषीय लक्ष्यों का आधार होती है। सरकार सबसे ज्यादा इसी आंकड़े को ऊंचा रखना चाहती है। अगर कोई मंत्रालय आंकड़ों में हेरफेर करता है, तो वह ऐसा अपनी कीमत पर नहीं करता। वर्ष 2024–25 और 2025–26 को मिलाकर देखें, तो नई श्रृंखला के तहत औसत असल विकास दर 7.0 प्रतिशत से बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो जाती है। यह आधा प्रतिशत अंक अधिक है। अगर तीन वर्षों – 2023–24 से 2025–26 – को लें, तो नई में औसत ग्रोथ पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम है – 7.7 प्रतिशत के मुकाबले 7.4 प्रतिशत।लेखकगण अपनी बात एक कहावत के साथ खत्म करते हैं। वे लिखते हैं कि जो नियम आज लागू होता है, वही नियम पहले भी लागू होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज कोई बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है।

वृष राशि–
आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। सोचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल करेंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा लाभ मिलेगा।

मिथुन राशि–
आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है, सफलता मिलने के योग बने हुए हैं।

कर्क राशि–
आज आपका दिन मिला–जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे।

सिंह राशि–
आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढ़ेगा।

कन्या राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, आज आपकी पहले से चल रही को ईएमआई आज पूरी होगी।

तुला राशि–
आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपको खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए। आपकी आमदनी की अपेक्षा आपके खर्चो में बढ़ोतरी होगी।

वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयत्न सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा।

धनु राशि–
आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल–मेल बना रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा।

मकर राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। पहले से चली आ रही पारिवारिक अनबन आज समाप्त होगी। आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कोई नया वाहन लेने का विचार आज आप अपने परिवार वालों के साथ करेंगे।

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर के बड़ों से आगे बढ़ने की राय मिलेगी, जो आगे चलकर आपके काम आयेगी। किसी राइटर की बुक आज पब्लिश होगी

मीन राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी खास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। बिजली व्यापारियों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी। इस राशि के जो लोग अपने करियर की नई शुरुआत करने की सोच रहे है। आज उनके लिए दिन शुभ है। आज पूरा दिन आप ऊर्जा से भरे रहेंगे, आय के नए स्रोत भी आपको मिलेंगे।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में पात्रों का नाम जोड़ने एक अपात्रों का नाम हटाने का किया गया अपील

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी वैभव मिश्रा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की आयोजित बैठक में विधान परिषद के 06 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन में कुल 3,433 मतदाताओं में से 946 मतदाताओं के नाम, विवरण में संशोधन किया गया है। वर्तमान में निर्वाचक नामावली में अभी तक किसी भी मतदाता का परिवर्धन अथवा विलोपन नहीं किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील किया कि वे अपने-अपने स्तर से निर्वाचक नामावली का अवलोकन कर पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करें। जिससे निर्वाचक नामावली को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जा सके।बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से 01 नवंबर 2025 को आधार मानकर तैयार की गई निर्वाचक नामावली के संबंध में शिकायत अथवा आपत्ति के बारे में जानकारी ली गई। इस पर उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा कोई शिकायत अथवा आपत्ति नहीं होना बताया गया। अपर जिलाधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं शुचिता बनाए रखने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचक नामावली का शुद्ध एवं अद्यतन होना स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

बिजली कटौती के विरोध में ग्रामीणों ने सब स्टेशन पर किया धरना-प्रदर्शन

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के फाजिलनगर विधान सभा क्षेत्र में लगातार खराब बिजली व्यवस्था और बार-बार हो रही बिजली कटौती से नाराज ग्रामीणों एवं उपभोक्ताओं ने सोमवार को पटहेरवा विद्युत उपकेंद्र पर धरना-प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कई दिनों से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बदहाल है। जिससे आम लोगों, किसानों, व्यापारियों और छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। धरने में शामिल लोगों ने बताया कि पटहेरवा बिजली घर के पिपरा कनक फीडर पर पहले से ही अत्यधिक लोड है। इसके बावजूद फाजिलनगर के कुछ वार्डों और उससे सटे कई गांवों की बिजली आपूर्ति फाजिलनगर विद्युत उपकेंद्र से हटाकर पटहेरवा विद्युत उपकेंद्र से जोड़ दी गई है। इससे फीडर पर लोड और बढ़ गया है तथा बिजली आपूर्ति रुक-रुक कर बाधित होने लगी है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ओवरलोडिंग के कारण दिन और रात में कई बार बिजली ट्रिप हो जाती है। बार-बार बिजली जाने से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसानों की सिंचाई, छोटे कारोबार और विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। लोगों ने विभाग से तत्काल फीडर का लोड कम करने और बिजली व्यवस्था में स्थायी सुधार की मांग किया है। धरने के दौरान वक्ताओं ने चेतावनी दिया कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरने में अरुण कुमार मिश्र, अहमद रजा शम्सी, सुनील कुमार सिंह, दिलीप कुमार मिश्र, राजकिशोर सिंह, शमशुल होदा, दानिश आलम, डॉ. शाहबाज खान तथा प्रधान आलमगीर खान सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय उपभोक्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को अब 12 हजार व सहायिकाओं को मिलेगा 06 हजार मानदेय

अयोध्या। प्रदेश की 2.91 लाख आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बड़ी सौगात दी। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय आठ हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपये और सहायिकाओं का चार हजार से बढ़ाकर छह हजार रुपये प्रतिमाह किया जाएगा। इसके साथ ही कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा उनके परिवारों को हर वर्ष पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। अब उन्हें दो के बजाय तीन साड़ियां मिलेंगी। सीएम ने स्मार्टफोन और रियल टाइम डेटा के इस्तेमाल से आंगनवाड़ी केंद्रों को स्मार्ट बनाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री योगी अयोध्या धाम में आईसीडीएस के तहत आयोजित आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। अयोध्या में करीब 12 हजार आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं मौजूद रहीं, जबकि सभी 75 जिलों में आयोजित कार्यक्रमों से मंत्री, सांसद, विधायक और आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां व सहायिकाएं जुड़ीं। बुधवार से शुरू हो रहे पोषण माह से पहले मुख्यमंत्री योगी ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को मानदेय वृद्धि, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, अतिरिक्त साड़ी और स्मार्टफोन की चार प्रमुख सौगातें दीं। अपने संबोधन से पहले सीएम ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों के स्टॉल्स का अवलोकन किया, महिलाओं को पुष्टाहार भेंट किया तथा कई बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के समय आंगनवाड़ी कार्यत्रियों को महज तीन हजार रुपये मानदेय मिलता था। सरकार ने इसे परफॉर्मेंस आधारित व्यवस्था से जोड़ते हुए आठ हजार रुपये किया। अब इसे बढ़ाकर 12 हजार रुपये किया जाएगा। सहायिकाओं का मानदेय भी 1,500 रुपये से बढ़ाकर पहले चार हजार और अब छह हजार रुपये किया जा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने कोरोना जैसी सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे गांव-गांव स्क्रीनिंग से लेकर दस्तक अभियान और संक्रमित लोगों की सेवा तक अपनी जान जोखिम में डालकर जुटी रहीं। सीएम योगी ने कहा कि सभी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के साथ उनके परिवार को हर वर्ष पांच लाख रुपये तक कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। इसका लाभ इम्पैनल्ड अस्पतालों के साथ सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में लिया जा सकेगा। हाल में प्रदेश के करीब 15 लाख शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को पांच लाख रुपये की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा दी गई है। लगातार मांग आ रही थी कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को भी इससे जोड़ा जाए। अब सरकार यह सुविधा उन्हें भी देने जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की 2.91 लाख आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को हर वर्ष दो साड़ियों की धनराशि जारी कर दी गई है। अब तक उन्हें दो साड़ियां मिलती थीं। अब एक अतिरिक्त साड़ी के लिए 500 रुपये और दिए जाएंगे। इस पर प्रदेश सरकार करीब 20 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार वहन करेगी। पहले चरण में 1.28 लाख स्मार्टफोन भी उपलब्ध कराए गए हैं। इससे योजनाओं का डेटा रियल टाइम में दर्ज किया जा सकेगा और आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का काम भी आसान होगा। सीएम ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की भूमिका को बच्चों के भविष्य से जोड़ते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2018 में इनकी भूमिका की तुलना माता यशोदा से की थी। मां के बाद छोटे बच्चों का पहला संवाद आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं से होता है।

पडरौना डोल मेले में आस्था तार-तार, नर्तकियों की ठुमकों पर थिरकतीं रही भीड़

कुशीनगर,(आरएनएस)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के तीसरे दिन पडरौना शहर में परंपरागत डोल मेला संपन्न हो गया। कहना न होगा कि डोल मेला हमारी धार्मिक परंपरा, लोक संस्कृति और सामूहिक आस्था का प्रतीक माना जाता है। लेकिन हर बार की तरह तमकुहीरोड के तर्ज पर आस्था की चौखट पर भक्ति के गीतों की जगह आर्केस्ट्रा का शोर, धार्मिक माहौल की जगह फूहड़ गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम की जगह नर्तकियों के कथित अश्लील नृत्य ने डोल मेले की मर्यादा पर ही सवाल खड़े कर दिए।

ज्ञातव्य हो कि हर साल की तरह इस बार भी पडरौना नगर के छावनी, सुभाष चौक, बेलवा चुंगी, कसेरा टोली, तुरहा टोली, दरबार रोड, तिलक चौक तुरहाटोली, समेत सभी अखाड़ों के खिलाड़ी भगवान श्रीकृष्ण की डोल की पूजा-अर्चना के बाद रात के साढ़े दस बजे से नगर भ्रमण के लिए निकले। अखाड़ा दल आर्केस्ट्रा के साथ शहर के मुख्य सड़को से होते हुए तमाम मुहल्लों का भ्रमण करने के बाद नगर के सुभाष चौक पहुंचे और वहां से प्रमुख मार्गों से होकर शहर का भ्रमण किये। लोगों ने जगह-जगह डोल में स्थित भगवान श्रीकृष्ण की मूर्तियों की विधिवत पूजा-अर्चना किए। हालांकि इधर कुछ वर्षों से डोल मेला में आर्केस्ट्रा नर्तकियो के अश्लील व फूहड़ नृत्यगान पर प्रतिबंध के बाद भी पिछले साल की तरह इस बार भी डोल मेले मे भक्ति गीतो की अपेक्षा जमकर अश्लीलता परोसी गयी। नतीजा यह रहा कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पर आर्केस्ट्रा सजाकर रातभर कार्यक्रम चलता रहा। उसके पीछे युवाओं की भीड़ भी चलती रही और नृत्य करती रही।आर्केस्ट्रा में शामिल नर्तकियों ने ऐसे नृत्य और प्रस्तुतियां की, जिन्हें धार्मिक आयोजन की गरिमा के अनुरूप नहीं माना जा सकता। सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि आयोजकों की नजर के सामने यह सब होता रहा तो इसे रोकने की कोशिश क्यों नहीं की गई?

श्रीकृष्ण की भक्ति के बीच 'ठुमकों' का प्रदर्शन क्यों?रू- डोल मेला महज मनोरंजन का मंच नहीं है। यह भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, भक्ति और सनातन परंपरा से जुड़ी धार्मिक विरासत है। ऐसे आयोजन में लोकगीत, भजन, धार्मिक झांकियां और पारंपरिक प्रस्तुतियां हों तो वह संस्कृति को आगे बढ़ाती हैं। लेकिन जब धार्मिक जुलूस में अश्लील गीत और आपत्तिजनक नृत्य हावी हो जाएं तो सवाल सिर्फ मनोरंजन का नहीं, बल्कि धार्मिक मर्यादा का बन जाता है।श्रद्धालुओं का कहना है कि आस्था के पर्व को मनोरंजन के नाम पर अश्लीलता का मंच बना देना किसी भी स्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता।

आयोजकों की 'सहमति' पर उठ रहे सवालरू- सबसे गंभीर सवाल आयोजन समितियों की भूमिका को लेकर है। यदि आर्केस्ट्रा में आपत्तिजनक गीत और नृत्य प्रस्तुत किए जा रहे थे, तो आयोजकों ने उन्हें रोकने की पहल क्यों नहीं की? क्या कार्यक्रम की पहले से कोई निगरानी व्यवस्था थी? क्या आयोजकों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि धार्मिक जुलूस में किस तरह की प्रस्तुति होनी चाहिए।

स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है मोटा अनाज, श्री अन्न, दैनिक आहार में करें शामिल- राजेश्वर सिंह

कुशीनगर, (आरएनएस)। किसानों के साथ आम जनमानस को मिलेट्स श्री अन्न के प्रयोग, उपयोगिता एवं इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर, रविन्द्रनगर धूस में मिलेट्स श्री अन्न रेसिपी एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त राजेश्वर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री वन्दिता श्रीवास्तव द्वारा विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया तथा प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों से मिलेट्स से तैयार विभिन्न व्यंजनों एवं उनकी रेसिपी के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। कार्यक्रम में जनपद स्तरीय विभिन्न विभागों के अधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा कृषक बंधुओं द्वारा बाजरा, रागी, सांवा, रामदाना आदि श्री अन्न से तैयार विभिन्न व्यंजनों का अवलोकन एवं सेवन किया।उप कृषि निदेशक अतीन्द्र सिंह ने बताया कि मिलेट्स पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। इनमें फाइबर, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम एवं अन्य आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। नियमित आहार में श्री अन्न को शामिल करने से संतुलित एवं पौष्टिक आहार की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। उन्होंने किसानों को मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध अनुदान एवं सुविधाओं की भी विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न कृषक उत्पादक संगठनों एफपीओ, स्वयं सहायता समूहों, कृषि सखियों तथा राजकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया। मिलेट्स उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय विद्यालय की छात्राओं के उत्साहवर्धन हेतु पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी छात्राओं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिता में प्रगति प्रेरणा स्वयं सहायता समूह, भिस्वालाला, पडरौना को प्रथम, दीपक स्वयं सहायता समूह, कोहड़ा, पडरौना को द्वितीय तथा संतोषी महिला स्वयं सहायता समूह, शिवपुर बुजुर्ग को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया। अन्य सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त राजेश्वर सिंह ने अपने उद्बोधन में श्री अन्न के स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालते हुए आमजन से अपने दैनिक आहार में मिलेट्स को शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भी जानकारी दी। जिला कृषि अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने कृषकों को जनपद में बीज एवं उर्वरक की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्रदान की तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, कृषकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विषय वस्तु विशेषज्ञ जमालुद्दीन अंसारी द्वारा किया गया।

छप्पर में बंधी 11 बकरियां चोरी, रात में मचा हड़कंप

मिल्कीपुर-अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र के पूरे मक्खू धनैचा (बड़ी नहर) गांव में सोमवार-मंगलवार की रात अज्ञात चोर एक पशुपालक की 11 बकरियां चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी रात करीब 1.30 बजे होने पर पीड़ित और आसपास के लोगों ने काफी खोजबीन की, लेकिन चोरी हुई बकरियों का कहीं पता नहीं चल सका। पूरे मक्खू धनैचा (बड़ी नहर) निवासी अख्तर पुत्र याकूब ने कुमारगंज पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनका मकान बड़ी नहर- किशोरिया संपर्क मार्ग के किनारे स्थित है। घर के सामने बने छप्पर में उनकी दो दर्जन से अधिक बकरियां बंधी हुई थीं। सोमवार-मंगलवार की मध्य रात्रि अज्ञात चोर छप्पर में बंधी बकरियों में से 11 बड़ी बकरियां चोरी कर ले गए।पीड़ित के मुताबिक, रात करीब 1.30 बजे उन्हें बकरियों के चोरी होने की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने आसपास के लोगों के साथ मिलकर काफी देर तक बकरियों और चोरों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर चोरी हुई बकरियों को बरामद करने और अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बताया गया कि शिकायतकर्ता दिव्यांग भी है। एक साथ 11 बकरियों के चोरी हो जाने से परिवार को आर्थिक नुकसान हुआ है और घटना के बाद गांव में पशुपालकों के बीच भी चिंता का माहौल है। वहीं, इस संबंध में जब कुमारगंज थानाध्यक्ष सुरेश कुमार पटेल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है।

बरियाघाट श्रीरामलीला कमेटी की दशहरा मेले की तैयारी को लेकर बैठक सम्पन्न

मीरजापुर। बरियाघाट श्रीरामलीला कमेटी की आवश्यक बैठक दशहरा मेले की तैयारी को लेकर कमेटी के अध्यक्ष रितु केसरी की अध्यक्षता में पंचमुखी मंदिर सत्संग हॉल में संपन्न हुआ। बैठक में दशहरा मेले की तैयारी को लेकर बृहद चर्चा और मेले को सुचारू रूप से संपन्न कराने को लेकर रणनीति बनाई गई। बरियाघाट श्रीरामलीला कमेटी द्वारा लगाए जाने वाला पूर्वांचल प्रसिद्ध विशाल दशहरा मेला में श्रद्धालुओं को लुभाने के लिए मेले में लगभग दो दर्जन झांकियां लगाई जाएगी। कमेटी के अध्यक्ष रितु केसरी ने बताया की पहली अवसर है की बरियाघाट श्रीरामलीला कमेटी की अध्यक्ष महिला है। उन्होंने कहा कि कोई ऐसा कार्य नहीं है जो महिलाये नहीं कर सकती। इस बार दशहरा का मेला ऐतिहासिक और भव्य होगा, दशहरा मेला अपने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ देगा। इस बार मेले में आने वालों की संख्या 15 लाख से बढ़कर 25 लाख की होगी। तैयारी को लेकर कमेटी के महामंत्री संतोष ऊमर ने बताया कि दशहरा मेले में श्रद्धालुओं को आने-जाने की अच्छी बेहतर व्यवस्था, बिजली की सजावट, पंचमुखी मंदिर का अद्भुत श्रंगार, भैरव गुफा, 12 ज्योतिर्लिंग,बांके बिहारी की हरियाली, रावण दरबार, सुग्रीव दरबार, हनुमान दल, अशोक वाटिका, जय गणेश देवा, के साथ-साथ काली भैरव का नृत्य, इसके अलावा लोगों में राष्ट्रीय चेतना का संचार बढ़े। देश के नौजवानों के उत्साह के लिए तिरंगा ऊंचा रहे हमारा, मिलिट्री जवानों के उत्साह के लिए ऑपरेशन सिंदूर,जैसी बेहतरीन झांकियां लगाई जाएगी। जो श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करेगा। महामंत्री संतोष ऊमर ने बताया कि मेले में व्यापारिक प्रतिष्ठानों को भी वरीयता दी जाएगी जो भी प्रतिष्ठान मालिक अपने प्रतिष्ठान का प्रचार प्रचार, स्वागत गेट के माध्यम से स्टॉल के माध्यम से लीफलेट के माध्यम से, अनाउंसमेंट के माध्यम से मेले में करवाना चाहता है उसके लिए भी व्यवस्था दी जाएगी। नारी शक्ति का ओहदा और पहचान समाज और देश में बढ़ाने के लिए, नारी समाज को उत्साहित प्रेरित करने के लिए, भारत की नारी विभूतियों का भी झांकियां लगाई जाएगी।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं के मानदेय की बढ़ोतरी से खिले चेहरे

मड़िहान, मीरजापुर। प्रदेश सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को बड़ा तोहफा दिया है। उनके मानदेय में बंपर बढ़ोतरी की गई है। इसी उपलक्ष्य में अयोध्या से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव कार्यक्रम का सजीव प्रसारण मड़िहान तहसील सभागार में किया गया, जहां उत्सव जैसा माहौल रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मड़िहान विधायक रामशंकर सिंह पटेल रहे। विधायक ने नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए और 6 माह से 5 वर्ष तक के नौनिहाल बच्चों को पोषण पोटली बांटी। पोषण पोटली पाकर बच्चों और उनकी माताओं के चेहरे खिल उठे। राजगढ़ और पटेहरा ब्लाक के बाल विकास परियोजना अधिकारी मीना गुप्ता और रामनिवास सिंह ने बताया कि पहले आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को 8 हजार रुपये और सहायिकाओं को 4250 रुपये मानदेय मिलता था। प्रदेश सरकार ने इसे बढ़ाकर अब कार्यकत्रियों के लिए 12 हजार रुपये और सहायिकाओं के लिए 6 हजार रुपये कर दिया है। इस घोषणा के बाद सभागार में मौजूद आंगनबाड़ी बहनों ने तालियों से स्वागत किया। कार्यक्रम में राजगढ़ ब्लाक की 21 और पटेहरा ब्लाक की 06 कुल 27 नव चयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। इसमें अमीषा मौर्य, रेखा देवी, पूनम कुमारी, गरिमा सिंह, विनीता पाल, अंजू देवी प्रमुख रहीं। कार्यक्रम में कुल 150 आंगनबाड़ियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें राजगढ़ से 100 और पटेहरा से 50 कार्यकत्री शामिल रहीं।बाल पोषाहार विभाग द्वारा सभागार में स्टाल लगाया गया था। नौनिहालों को किट के माध्यम से चना, बादाम, ड्राईफ्रूट, सोयाबीन, साबुन आदि वितरित किया गया। विधायक ने हर डेस्क पर जाकर स्टालों का जायजा लिया और विभागीय कार्यों की सराहना की।

बाग में बंधा बकरा बाइक सवार दो चोरों ने किया पार

मिल्कीपुर-अयोध्या। थाना कुमारगंज क्षेत्र के देवगांव चौकी अंतर्गत खेमापुर गांव में बाग में बंधे बकरे को अज्ञात व्यक्ति बाइक से चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर कुमारगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। खेमापुर गांव निवासी फतेह बहादुर पुत्र देवकीनंदन ने कुमारगंज पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार को करीब 10 बजे गांव के पास स्थित बाग में उनका बकरा चरने के लिए बंधा हुआ था। इसी दौरान दो अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे और बकरे को खोलकर काले रंग की स्प्लेंडर बाइक संख्या यूपी 32 एमई 7057 पर लादकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित के मुताबिक घटना की जानकारी होने पर उन्होंने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बकरे और आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद उन्होंने कुमारगंज थाने पहुंचकर घटना की लिखित तहरीर पुलिस को दी। इस संबंध में मंगलवार को उपनिरीक्षक राजेश गुप्ता से बात की गई। उन्होंने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

भाजपा काशी क्षेत्र के नवनियुक्तमहामंत्री विद्याधर तिवारी का भाजपा कार्यालय पर हुआ जोरदार स्वागत

मीरजापुर। भारतीय जनता पार्टी मीरजापुर के जिला कार्यालय बरौंधा कचार मीरजापुर के सभागार में नवनियुक्त काशी क्षेत्र महामंत्री विद्याधर तिवारी जी का ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज के नेतृत्व में पुरजागीर, लाल डिग्गी, मुकेरी बाजार, संगमोहाल, इमरती रोड़ के पश्चात् भारतीय जनता पार्टी मीरजापुर जिला कार्यालय पर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त क्षेत्रीय महामंत्री विद्याधर तिवारी का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण से स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। कार्यकर्ताओं में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री स्वामीनाथ सिंह जी ने किया। इस अवसर पर विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, निवर्तमान जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सिंह पटेल, गंगासागर दुबे, उत्तर कुमार मौर्य, मनोज जायसवाल, दिनेश तिवारी, अनिल सिंह, बालेंदुमणि त्रिपाठी, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष जगदीश सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष हेमंत त्रिपाठी, सुनीता शर्मा, इंद्र कुमार सिंह, बैजनाथ प्रजापति, उदयभान तिवारी, जिला महामंत्री रविशंकर पांडेय एवं डॉ. सी. एल. बिन्द, जिला मंत्री संध्या देव, रोहित त्रिपाठी, आलोक सिंह, पूनम चौरसिया, जिला कोषाध्यक्ष चंद्रांशु गोयल, जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा आभा पटेल, जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा दिनेश सिंह, जिला कार्यालय मंत्री मनोज दुबे, जिला आईटी संयोजक अमित सिंह,अभिनव प्रताप सिंह सहित मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साईफन तोड़ जाने के कारण जल निकासी अवरूद्ध, हुआ जलभराव, ओड़ी साधन सहकारी समिति डूबा, भवन के दीवार में आयी दरार

मीरजापुर। अत्यधिक बरसात के दौरान गड़ई नदी में अहरौरा बांध से पानी छोड़े जाने के कारण आयी बाढ़ में हसौली में स्थित ओड़ी साधन सहकारी समिति लिमिटेड के भवन में पानी घुस गया। जिससे समिति के कार्यालय, गोदाम,स्टोर रूम, कैम्पस सहित भवन के चारों तरफ पानी ही पानी भर गया। कई दिनों से भवन के पीछे पानी भरे होने से भवन की पिछली दीवार में दरार भी आ गया है। बता दें कि बरसात के दिनों में गड़ई नदी के ओवरफ्लो होने पर बाढ़ के पानी की निकासी के लिए अहरौरा बांध से संचालित बेलहर राजवाहा को ग्राम हसौली के पास साइफन बनाकर निकासी का रास्ता बनाया गया था, लेकिन साइफन में बार-बार कूड़ा-कचरा फंसने और जाम होने की शिकायत पर सिंचाई विभाग द्वारा उसे तोड़कर खुली नहर बना दिया गया। जिस कारण से गड़ई नदी के बाढ़ के पानी की निकासी का रास्ता अवरुद्ध हो गया।परिणामस्वरूप अत्यधिक बारिश होने पर हसौली, करजी गांव के साथ ही साइफन के समीप स्थित ओड़ी साधन सहकारी समिति भी पानी में डूब गया। समिति के सचिव बाबूलाल सिंह ने बताया कि पिछले साल भी समिति में पानी भर गया था, जिससे गोदाम में रखा लाखों रुपए रुपये मूल्य का रासायनिक खाद बर्बाद हो गया था। उन्होंने बताया कि इस बार बाढ़ की संभावना को देखते हुए हम लोग सभी खाद,बीज एवं अन्य सामग्री को पहले ही सुरक्षित स्थान पर रखवा दिये थे,इसलिए कुछ भी नुकसान नहीं हुआ।उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष हुए नुकसान का बीमा भुगतान अभी तक नहीं मिला,जबकि बीमा कंपनी के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन भी किया था।अन्नदाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह ने कहा कि पिछले वर्ष की क्षतिपूर्ति का भुगतान करते हुए समिति के जर्जर भवन का तत्काल मरम्मत कराया जाना अति आवश्यक है,नही तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है,जिसकी सारी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

गन्ना मूल्य 700 प्रति कुंतल घोषित करने की मांग

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने जा रहे भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधिमंडल को पुष्पराज चौराहे पर प्रशासन द्वारा रोका गया, विरोध में भारतीय किसान यूनियन पदाधिकारियों द्वारा शासन- प्रशासन विरोधी नारे लगाए गए, नगर मजिस्ट्रेट तथा उप जिला अधिकारी बीकापुर ज्ञापन प्राप्त कर मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन में गन्ना मूल्य 700रु प्रति कुंतल घोषित करने, यूरिया खाद का थोक दर घोषित करने या थोक व्यापारियों को समाप्त कर फैक्ट्री से फुटकर विक्रेताओं तक सीधे पहचाने, छुट्टा जानवरों से खेती व दुर्घटनाओं को बचाने,बीकापुर तहसील मुख्यालय पर सब्जी मंडी की स्थापना करने, तमसा नदी (मड़हा) का नहरीकरण करके जलस्तर बढ़ाने, स्मार्ट मीटर पूरी तरह बंद करने,आयुष्मान कार्ड बनाने में छरू व्यक्तियों के स्थान पर दो व्यक्तियों की शर्त रखने, आगामी सत्र में धान क्रय केन्द्रों की स्थापना करके धान खरीदने की गारंटी देने तथा गौशालाओं को उच्चीकृत करने की समस्याएं प्रमुख रहीं।

प्रयागराज के जंगलों में तीन दिनों तक चहलकदमी के बाद फिर से लहुरियादह जंगल में लौटा हाथियों का जोड़ा

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान से भटककर पहुंचे हाथियों का एक सप्ताह तक ड्रमंडगंज वनरेंज के विभिन्न जंगलों में चहलकदमी करने के बाद बीते चार सितंबर को प्रयागराज के जंगलों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली थी। लेकिन सोमवार की रात फिर से हाथियों का जोड़ा प्रयागराज जंगलों से होते हुए लहुरियादह गांव के यादव बस्ती तक पहुंच गया।देर रात लहुरियादह गांव पहुंचे हाथियों का जोड़ा ने मक्का की फसल को रौंदते हुए किसानों की खेत के पास गाड़ी गई पटिया तोड़ दी। लहुरियादह गांव निवासी किसान राम कैलाश यादव ने बताया कि हाथियों का जोड़ा देर रात पटिया तोड़कर मक्के के खेत में घुस गया जहां मक्का की फसल को रौंदते हुए नष्ट कर दिया।इसी तरह से जीवन लाल यादव व मुन्नन लाल यादव की मक्का की फसल को रौंदते हुए नष्ट कर दिया।

विज़डम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 09 सितंबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुलियों की मरम्मत कार्य में लाएं तेजी : डीएम

–बैठक में समीक्षा कर मातहतों को दिए निर्देश

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जनपद में बाढ़ से प्रभावित सड़कों एवं पुलियों के संबंध में समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में संबंधित विभागों से बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुलियों की संख्या, मरम्मत कार्य की प्रगति तथा पूर्ण किए गए कार्यों की जानकारी ली। लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में बाढ़ से कुल 18 सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। जिनमें से 14 सड़कों को मोटरेबल करा दिया गया है तथा उन पर आवागमन संचालित हो रहा है। शेष चार सड़कों का कार्य भी कल तक पूर्ण करा लिया जाएगा। लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड–1 द्वारा बताया गया कि बाढ़ के कारण 39 सड़कें, पुलिया क्षतिग्रस्त हुई हैं। जिनमें से 16 पर कार्य पूर्ण करा लिया गया है। इसके अतिरिक्त 10 ब्रीच में से 8 ब्रीच को ठीक करा दिया गया है तथा शेष 2 ब्रीच का कार्य तीन दिवस के भीतर पूर्ण करा लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुलियों के लिए स्पेशल रिपेयर का प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र मुख्यालय को प्रेषित किया जाए। जिला पंचायत द्वारा अवगत कराया गया कि बाढ़ से दो सड़कें क्षतिग्रस्त हुई थीं। जिनमें से एक सड़क की मरम्मत पूर्ण कराई जा चुकी है तथा दूसरी सड़क पर कार्य प्रगति पर है। डीएम ने शेष कार्य को भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। एनएच–35 के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भरतकूप एवं शिवरामपुर क्षेत्र में जलभराव की समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका के पास उपलब्ध सुपर शटर मशीन द्वारा जल निकासी कराई जाए। जलभराव के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की भी प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कराकर आवागमन सुचारु रखा जाए। एनएच–731 के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पहाड़ी में क्षतिग्रस्त एवं गड्ढायुक्त सड़क का तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जाए। जिससे आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुलियों के मरम्मत कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण कराकर आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाया जाए।

घर-घर जाकर बाढ़ प्रभावित लोगों की डीएम ने जानी समस्याएं

अधिकारियों को राहत एवं सफाई व्यवस्था में तेजी लाने के दिए निर्देश

चित्रकूट। जनपद में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित रामघाट क्षेत्र के पंडों वाली गली, उतारा बाजार मोहल्ले का डीएम पुलकित गर्ग ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावित स्थानीय लोगों से डोर टू डोर संपर्क कर उनकी समस्याओं, नुकसान तथा जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही राहत एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि आंशिक क्षति एवं पूर्ण क्षति के मकान हैं। उनकी दो दिवस में सर्वे पूर्ण कराकर भुगतान करें। यह भी कहा कि आज शाम तक राशन किट वितरित किए हो जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त विद्युत पोलों के संबंध में अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि टूटे हुए विद्युत पोलों को तत्काल हटवाया जाए तथा नए पोल लगाए जाने की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को शीघ्र सामान्य कराया जाए। रामघाट क्षेत्र में बाढ़ से हुए नुकसान को देखते हुए डीएम ने उपजिलाधिकारी कर्वी को निर्देश दिए कि प्रभावित लोगों को कपड़े एवं बर्तन आदि की क्षति के लिए धनराशि की सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही प्रभारी अधिकारी उपजिलाधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया कि मैनपावर बढ़ाते हुए बाढ़ प्रभावित स्थानीय लोगों के घरों एवं दुकानों की प्राथमिकता के आधार पर सफाई कराई जाए। उन्होंने पंपिंग मशीनों की संख्या बढ़ाकर कचरे की सफाई कार्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वर्तमान में 120 सफाई कर्मचारी मौके पर पाए गए एवं उन्होंने निर्देशित किया कि लगातार संख्या बढ़ाई जाए। कहा कि 150 कर्मचारी एक समय पर मौके पर रहे। डीएम ने निर्देशित किया कि राजापुर, मऊ एवं मानिकपुर से अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों को बुलाकर रामघाट क्षेत्र में सफाई कार्य को गति दी जाए। घाट के समीप निर्माणाधीन होटलों के संबंध में उन्होंने शाडा के माध्यम से जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बाढ़ से हुई क्षति के सर्वे कार्य की समीक्षा करते हुए डीएम ने कहा कि लेखपालों द्वारा किए जा रहे डोर टू डोर सर्वे में बीएलओ को भी लगाया जाए। जिससे सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार लेखपाल किसी एक स्थान पर राहत हेल्प डेस्क का बैनर लगाकर भी प्रभावित लोगों से जानकारी प्राप्त कर सर्वे कार्य कर सकते हैं।

प्रशिक्षण में नवचयनित पराविधिक स्वयं सेवकों को बताए गए दायित्व

चित्रकूअ। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में नवचयनित पराविधिक स्वयंसेवको का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष जिला जज शेषमणि शुक्ला के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर पराविधिक स्वयं सेवक चयन समिति के अध्यक्ष राहुल मिश्रा, प्रथम अपर जिला जज सदस्य इला चौधरी, राममणि पाठक अपर जिला जज त्वरित न्यायालय न्यू, रेनू मिश्रा विशेष न्यायाधीश पाक्सो, सचिन कुमार दीक्षित सिविल जज, विदिशाभूषण सिविल जज, अभिनव कुमार दुबे न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चौधरी ने नवचयनित अधिकार मित्रों को बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रदेश स्तर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा तसहील स्तर पर तहसील विधिक सेवा समिति का गठन किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता (प्रो–बोनो) हेमराज सिंह द्वारा सभी नवचयनित अधिकार मित्रों को उनके दायित्वों का बारे में विस्तृत रूप से बताया गया और उनको यह निर्देश दिया गया कि समाज के दूरदराज गावों में निवास करने वाले समाज के कमजोर, निर्धन, असहाय व्यक्तियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की मंशा के अनुसार सस्ता व सुलभ न्याय के बारे में जागरूक करें। ताकि वे मानवीय सम्मान के साथ जीने के अपने अधिकार के विषय में जागरूक हो सकें। इसी क्रम में समस्त अधिकार मित्रों बताया गया कि वर्तमान में नालसा द्वारा 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत तथा राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान में अधिक से अधिक वाद पक्षकारों की आपसी सहमति से सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित किया जाना है। इसलिये समस्त अधिकार मित्रों का यह दायित्व बनता है कि वे अपने कार्यक्षेत्र में सामान्य जन के बीच राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करें।

पीएमश्री कछार पुरवा बालिका शिक्षा का उत्कृष्ट मरडल

--सोच बदली, स्कूल बदला बालिकाओं को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा

चित्रकूट। महानिदेशक स्कूल शिक्षा उत्तर प्रदेश तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रंजना शुक्ला के निर्देशन में पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय कछारपुरवा में बालिका शिक्षा के बढ़ावा हेतु तरह–तरह के प्रयास किया जा रहे हैं। डीसी बालिका शिक्षका संतोष साहू ने बताया कि जिले में सातो पीएमश्री में आत्मरक्षा का प्रशिक्षण चल रहा। इसके अलावा कम्पोजिट विद्यालयों एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भी प्रशिक्षण जारी है । जिले की सभी छात्रायें प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है । प्रधानाध्यापिका रचना यादव ने बताया कि छात्राओं की नामांकन उपस्थित संप्राप्ति बेहतर हो रही है। इसी के साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराई जा रही है जिसमें बालिकाओं को कैरियर काउंसलिंग के साथ ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधियों को जोड़ा जा रहा है।पीएमश्री प्रभारी विद्यासागर पटेल ने बताया कि पौधा रोपण से विद्यालय को हरा भरा किया गया। मीना मंच से जुड़ने के बाद आर्थिक तंगी से पढ़ाई छोड़ने वाली कई बेटियों को परिवारों को समझा कर दोबारा स्कूल से जोड़ा गया। जरूरतमंद छात्राओं को पढ़ाई का खर्च शिक्षक अपने वेतन से उठाया।

सहा0 अध्यापिका सुशीला पाण्डेय ने बताया कि किशोरियों को स्वास्थ्य स्वच्छता और माहवारी संबंधी जागरूकता दी जा रही है। मिशन शक्ति में सम्मिलित होकर बालिकाओं को जागरूक किया जा रहा है। बालिकाओं ने विज्ञान उड़ान और खेलों में जिला मंडल स्थान में स्थान पा रही है साथ ही विद्यालय में बाल विवाह लैंगिक भेदभाव और रूढ़िवादी का सोच के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम हो रहे हैं। शिक्षिका सरला देवी ने बताया कि बालिकाओं को खेल, विज्ञान तकनीक कला और कौशल विकास सहित सफल महिलाओं की प्रेरक कहानियों के साथ बालिकाओं में आत्मविश्वास आत्मरक्षा और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए विशेष योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है । एक बालिका को शिक्षित करना केवल एक व्यक्ति को शिक्षित करना नहीं बल्कि पूरे परिवार और आने वाली वीडियो को सशक्त बनाना है। इस समय विद्यालय में पैतालीस दिवसीय आत्म रक्षा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें खेल शिक्षक श्याम सुंदर यादव एवं शिक्षिका ममता देवी का विशेष योगदान है।

डायट में एआरपी और एसआरजी की मासिक समीक्षा बैठक में बनी कार्ययोजना

चित्रकूट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर में सोमवार को शैक्षिक सहयोगी संदर्शी (एआरपी) एवं राज्य संदर्शी समूह (एसआरजी) की मासिक समीक्षा एवं योजना बैठक आयोजित की गई। जिसमें अगस्त माह में डायट मार्गदर्शकों, एसआरजी और एआरपी द्वारा किए गए सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की समीक्षा की गई तथा सितंबर माह की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। डायट प्राचार्य बीके शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण–2027 की तैयारियों, राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा 2027–28 के आनलाइन आवेदन तथा विकासखंडों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान प्रशिक्षण की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही शिक्षक संकुल बैठकों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से आयोजित करने और संबंधित आंकड़ों को अद्यतन रखने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा विकासखंडवार निपुण तालिका के अद्यतन, शिक्षण सामग्री के प्रभावी उपयोग, शिक्षण योजना के अनुसार कक्षा शिक्षण, निपुण प्लस अनुप्रयोग पर आकलन तथा दीक्षा अनुप्रयोग और कर्मयोगी प्रशिक्षण पोर्टल पर प्रशिक्षण की स्थिति देखी गई। विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों, सूचना एवं संचार तकनीक तथा स्मार्ट कक्षाओं के उपयोग और पुस्तकों के वितरण की भी समीक्षा हुई। बैठक में अभिभावक–शिक्षक बैठक, विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक और शिक्षण सामग्री के माध्यम से शिक्षण कार्य की स्थिति पर चर्चा की गई। सभी एआरपी व एसआरजी को आगामी माह की कार्ययोजना के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सहयोग एवं अनुश्रवण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

मेरठरू आज विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डॉ. वी. के. सिंह की अध्यक्षता में 'सेवा संकल्प अभियान' के सफल आयोजन एवं तैयारियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले वृहद अभियान के अंतर्गत विधानसभा, विकासखंड, ग्राम पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों में शासन से निर्धारित थीमों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को अभियान को प्रभावी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। सेवा संकल्प अभियान के लिए मुख्य विकास अधिकारी को जनपद स्तर पर नोडल अधिकारी नामित किया गया है, जबकि विभागीय कार्यक्रमों के संचालन एवं समन्वय के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने–अपने विभाग से संबंधित कार्यक्रमों की कार्ययोजना एवं तैयारियों का विवरण समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 'आशीर्वाद का दीया', '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'रंगोली राष्ट्र', 'राष्ट्रीय इनोवेशन चौलेंज' एवं 'जनसेवा महाकुंभ' थीम पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रमुख स्मारकों पर लेजर शो, महायज्ञ एवं प्रार्थना सभाएं, ग्राम चौपाल तथा सीधा संवाद जैसे विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होने बताया कि 17 सितम्बर को 'आशीर्वाद का दीया', 25 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक 'आंगन का उत्सव', 02 अक्टूबर को 'नमो सेवा गाथा', 07 अक्टूबर को 'सेवा ज्योति यात्रा' तथा 17 अक्टूबर को 'जनसेवा महाकुंभ' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमो में इन कहानियों को 'सफलता की कहानी–लोगों की जुबानी' के माध्यम से आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। विभागवार जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित कराने की कार्ययोजना तैयार करने तथा लाभार्थियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के सभी कार्यक्रमों में मा0 जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, युवाओं, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों, लाभार्थियों तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के आमजन की व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर सीडीओ नूपुर गोयल, सीएमओ डा0 राम प्रसाद, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय वर्धन तोमर, उप कृषि निदेशक नीलेश चौरसिया, अपर नगर आयुक्त लवी त्रिपाठी, डीपीआरओ वीरेन्द्र सिंह, जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनील कुमार सिंह, समस्त बीडीओ, ईओ सहित अन्य संबंधित विभागो के अधिकारी उपस्थित रहे।

खरखौदा में पुलिस हिरासत में आरोपी ने शौचालय में पीया टायलेट क्लीनर, हालत गंभीर

मेरठ। खरखौदा थानाक्षेत्र में मंगलवार को धीरखेड़ा चौकी पर बड़ी घटना घट गई। बाइक चोरी के मामले में पुलिस हिरासत में लिए गए आरोपी ने पुलिसकर्मी की मौजूदगी में शौचालय के भीतर रखा टॉयलेट क्लीनर पी लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। पुलिसकर्मी उसे आनन–फानन एनसीआर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे मेरठ रेफर कर दिया। इसके बाद उसे मेरठ के जगदंबा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 72 घंटे की निगरानी में गहन उपचार चल रहा है।

पुलिस के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले नयागांव निवासी राजीव की बाइक गांव से चोरी हो गई थी। उसकी तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू की। गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस गाजियाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र के ईसापुर गांव तक पहुंची। पुलिस के मुताबिक जांच में पता चला कि ईसापुर निवासी दो युवकों ने गांव की एक दुकान से सामान खरीदा था और उसका भुगतान ऑनलाइन किया था। इसी भुगतान के आधार पर पुलिस ने दोनों युवकों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया। पुलिस पूछताछ में दोनों युवकों ने बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की। पूछताछ के दौरान मसूरी थाना क्षेत्र के नूरपुर गांव निवासी विपिन का नाम भी सामने आया। पुलिस के अनुसार चोरी की बाइक दोनों युवकों ने विपिन को बेची थी और आरोप है कि विपिन ने बाइक को काट दिया था। पुलिस ने सोमवार को दोनों युवकों के साथ विपिन को भी हिरासत में लिया था। तीनों को धीरखेड़ा पुलिस चौकी लाकर पूछताछ की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब चार बजे विपिन ने शौचालय जाने की बात कही। एक पुलिसकर्मी उसे शौचालय लेकर गया। आरोप है कि शौचालय के अंदर विपिन ने वहां रखा हार्पिक पी लिया।

तबीयत बिगड़ते ही अस्पताल ले गई पुलिसहार्पिक पीने के कुछ ही देर बाद विपिन की हालत बिगड़ने लगी। पुलिसकर्मी ने तुरंत अधिकारियों को सूचना दी और उसे पास के एनसीआर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने मेरठ रेफर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे मेरठ के जगदंबा अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों के अनुसार विपिन की हालत गंभीर बनी हुई है।

सीसीएसयू - दुर्गा भाभी हास्टल में छत से टपक रहा पानी, परेशान छाताएं धरने पर बैठीं, हंगामा

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के दुर्गा भाभी छात्रावास में अव्यवस्थाओं से परेशान छात्राओं ने मंगलवार को कुलपति कार्यालय के बाहर धरना देकर विरोध जताया। छात्राओं का आरोप है कि बारिश के दौरान हॉस्टल के कई कमरों की छत से पानी टपक रहा है। इससे उनका सामान खराब हो रहा है और कमरों में रहना मुश्किल हो गया है।छात्राओं के अनुसार बारिश के दौरान हॉस्टल के कई कमरों में छत से पानी टपकने लगता है। पानी कमरे के अंदर आने से सामान खराब होने का खतरा बना रहता है। छात्राओं ने कहा कि समस्या को लेकर कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी दी गई, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हुआ।साफ–सफाई और मूलभूत सुविधाओं पर भी नाराजगीछात्राओं ने पानी टपकने के अलावा साफ–सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने हॉस्टल की छत और कमरों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। छात्राओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसी दिन सीसीएसयू के बीटेक के छात्र–छात्राओं ने भी हॉस्टल की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर कुलपति कार्यालय पर हंगामा करते हुए धरना दिया। छात्रों का आरोप था कि हॉस्टल में एक कमरे में जबरन तीन विद्यार्थियों को रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है।विरोध करने पर धमकी देने का आरोपप्रदर्शनकारी छात्रों ने आरोप लगाया कि हॉस्टल की समस्याओं को लेकर विरोध करने या शिकायत उठाने पर उन्हें विश्वविद्यालय से बाहर करने की धमकी दी जाती है। छात्रों ने अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप भी लगाया। हंगामा बढ़ने पर मेडिकल पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ सिविल लाइन और सीओ कोतवाली भी मौके पर पहुंचे और छात्रों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया।

पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी का बेटा भूरा सलमान गिरोह के असलम के घर पिस्टल लेकर पहुंचा, धमकाया

मेरठ। पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी के बेटे भूरा पर सलमान गिरोह के असलम पहलवान के घर पहुंचकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। आरोप है कि भूरा अपने साथी अदनान समेत कई युवकों के साथ असलम पहलवान के घर पहुंचा और वहां धमकी दी। मामले में असलम पहलवान के पिता हाजी सियाज की तहरीर पर कोतवाली थाने में भूरा और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।एसपी सिटी विनायक भोसले ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार भूरा पिस्टल लेकर घर पहुंचा था। आरोप है कि वहां हाजी सियाज की पत्नी को भी जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक घटना के पीछे आपसी विवाद की बात सामने आ रही है।

डीएम ने देवांगना-पटेल तिराहा संपर्क मार्ग का किया स्थलीय निरीक्षण

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने देवांगना–पटेल तिराहा संपर्क मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

डीएम ने निर्देशित किया कि सड़क निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता में कमी नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी नियमित रूप से कार्य की निगरानी करते हुए निर्माण कार्य को 30 सितंबर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर एडीएम नमामि गंगे स्वप्निल कुमार यादव, अधिशासी अभियंता विद्युत, लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड, अधिशासी अभियंता जल संस्थान, अधिशासी अभियंता जलकल के अधिकारी मौजूद रहे।

आज होगी सिंचाई बंधु की बैठक

चित्रकूट। अधिशासी अभियंता सचिव सिंचाई बंधु सिंचाई प्रखंड प्रथम कर्वी एसके प्रसाद ने बताया कि सिंचाई बंधु की मासिक समीक्षा बैठक आज मंगलवार को प्रातः 11 बजे से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सिंचाई बंधु दिनेश सिंह की अध्यक्षता में न्यू सिंचाई कॉलोनी में बैठक आहूत की गई है। उन्होंने सभी नामित सदस्यों एवं अधिकारियों से ससमय बैठक में भाग लेने की अपील की है।

स्थापना दिवस पर बैंक आफ इंडिया ने लगाया रक्तदान शिविर

चित्रकूट। बैंक ऑफ इंडिया की चित्रकूट धाम शाखा में बैंक के 121वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक सौरभमणि त्रिपाठी ने देश के आर्थिक विकास में बैंको के बढ़ते योगदान को रेखांकित किया। उन्होने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया अपने ग्राहकों का विशेष धन्यवाद देता है। ग्राहकों की वजह से ही बैंक 121 वर्षों से देश की सेवा करने में सफल रहा है। इसी कारण बैंक का ये नैतिक दायित्व है कि समाज के हित के लिए अपना योगदान दे। रिश्तों की जमापूंजी ध्येय वाक्य को ध्यान में रखते हुए बैंक ने समाज के कल्याण में अपनी भागीदारी के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें सभी बैंक कर्मचारियों, बैंक के बीसी कर्मचारियों, ग्राहकों एवं एलआईसी के कुछ कर्मचारियों ने रक्तदान किया इस अवसर पर केक काटा गया एवं ग्राहकों व रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान नवीन चन्द्र पांडेय, संतोष सिंह, देव कुमार, सरोज कुमार सिंह एलआईसी शाखा प्रबन्धक, आनंद कुमार पाण्डेय एलआईसी उप शाखा प्रबन्धक, कपिल त्रिवेदी ब्लड बैंक पैथोलोजिस्ट, बाबूलाल आदि बैंक के कर्मचारी मौजूद रहे।

चार दूरवर्ती शिक्षा पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करने की मिली अनुमति

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के दूरवर्ती शिक्षा क्षेत्र के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे के सतत प्रयासों एवं मार्गदर्शन से चार दूरवर्ती शिक्षा पाठ्यक्रमों को पुनः प्रारंभ करने की अनुमति प्राप्त हुई है। डिस्टेंस एजुकेशन काउंसिल द्वारा विश्वविद्यालय के इन पाठ्यक्रमों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाने के बाद संचालन की अनुमति प्रदान की गई है। ये पाठ्यक्रम वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026–27 से प्रारंभ किए जाएंगे। जिसमें मास्टर ऑफ आर्ट्स, दो वर्षीयय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रा.तिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान, दो वर्षीयय मास्टर ऑफ आर्ट्स संस्.त, दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कंप्यूटर एप्लीकेशन्स शामिल हैं। कुलसचिव प्रो. आञ्जनेय पाण्डेय ने इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा दूरवर्ती एवं सतत शिक्षा को सु.ढ़ बनाने तथा उच्च शिक्षा के अवसरों को अधिक व्यापक बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। डिस्टेंस एजुकेशन काउंसिल से चार पाठ्यक्रमों को पुनः प्रारंभ करने की अनुमति प्राप्त होना इन्हीं प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।कुलसचिव ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिए दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत शिक्षा केंद्र के निदेशक डॉ. उमेश कुमार शुक्ला को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। केंद्र द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रम संचालन संबंधी आगामी कार्यवाही की जाएगी।

मृतकों के परिजनों को शिक्षकों ने दिए 21-21 हजार रुपए

चित्रकूट। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश पांडेय के नेतृत्व में शिक्षकों ने बाढ आपदा राहत के लिए प्रदत्त की गई आर्थिक सहयोग के क्रम मे रामनगर क्षेत्र के के बसिंहा और बुधवल मे एक–एक पीडित परिवार व मानिकपुर ब्लाक के गदाखान मे दो पीडित परिवारों सहित प्राथमिक विद्यालय नयाचंद्रा की शिक्षामित्र संगीता जायसवाल को इलाज के लिए 21–21 रुपए आर्थिक सहयोग दिया। बुधवल निवासी माताबदल आरख की कच्ची दीवार गिरने से दबकर मृत्यु हो गयी थी। उनकी विधवा पत्नी को सहयोग दिया गया। विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष प्राथमिक विद्यालय बसिंहा स्व सावित्री देवी पत्नी शिवकरण यादव की नाले मे डूबने से दुखद मृत्यु होने पर उनके बच्चों को आर्थिक सहयोग दिया गया। मानिकपुर क्षेत्र के गदाखान निवासी आयुष पुत्र मनोज सिंह व आयुष पुत्र सुरेश सिंह की नाले मे डूबने से मृत्यु पर उनके परिवार मे आर्थिक सहयोग दिया गया।

एनडीआरएफ टीम के साहस, समर्पण एवं उत.ष्ट बचाव कार्य की सराहना करते हुए किया सम्मानित

चित्रकूट। धर्मनगरी के दिगंबर अखाड़ा के महंत दिव्यजीवन दास, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण गुप्ता, बृजेश रावत, श्याम पांडेय, दीपक केसरवानी, केसरी तिवारी सहित स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने एनडीआरएफ टीम के सभी सदस्यों को रामनामी भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने एनडीआरएफ टीम के साहस, समर्पण एवं उत.ष्ट बचाव कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जनपद में मां मंदाकिनी नदी में आई भीषण बाढ़ के दौरान एनडीआरएफ टीम द्वारा लगभग 272 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। विषम परिस्थितियों में टीम के सदस्यों द्वारा तत्परता एवं कुशलता से किए गए राहत एवं बचाव कार्यों से अनेक लोगों की जान बचाई जा सकी। 29 अगस्त की बाढ़ के दिन रामघाट में 234, व्योहरा में 6, चौरा में 1, पहाड़ी में 5, पनौटी में 15, एक सितंबर को रामघाट में 11 लोगों को रेस्क्यू किया गया। स्थानीय नागरिकों ने एनडीआरएफ के जवानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सेवाभाव एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की तथा सम्मान स्वरूप रामनामी भेंट की।

जूनियर हाकी एशिया कप दक्षिण कोरिया पर 7-3 की जीत के साथ सेमीफाइनल के करीब टीम इंडिया

मोकी ।भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को दक्षिण कोरिया को 7–3 से हरा दिया। इस जीत के साथ एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के पूल ए में शीर्ष भारतीय टीम में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। मैच की बात करें तो ज्यादातर समय मुकाबला बराबरी पर रहा। शुरुआती तीन क्वार्टर में मैच काफी रोमांचक रहा, कोई भी टीम एक इंच भी पीछे हटने को तैयार नहीं थी। इंडिया ने अच्छी शुरुआत की और पांचवें मिनट में अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त बना ली। दक्षिण कोरिया के लिए अगले ही मिनट में डोह्योन चोई ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भी यही पैटर्न रहा। लवनूर सिंह ने 18वें मिनट में फील्ड गोल करके इंडिया को आगे कर दिया, लेकिन दक्षिण कोरिया ने ह्योगुक यू की मदद से अगले 60 सेकंड में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 2–2 कर दिया। हालांकि, इंडिया ने यह पक्का किया कि वे हाफ–टाइम तक इस बढ़त को बनाए रखें। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल करके इंडिया की एक गोल की बढ़त वापस ला दी और ब्रेक तक उन्हें 3–2 की बढ़त दिला दी।दक्षिण कोरिया ने दोबारा मैच शुरू होने के बाद भी हार नहीं मानी और इंडियन डिफेंस को लगातार परखता रहा। यू एक बार फिर उनके अटैकिंग खेल का सेंटर थे, उन्होंने तीसरे क्वार्टर के सिर्फ छह मिनट में मैच का अपना दूसरा गोल किया, जिससे कोरियाई टीम तीसरी बार 3–3 से बराबर हो गई।जब मैच आखिरी क्वार्टर में बराबरी की ओर बढ़ रहा था, तो प्रभदीप सिंह ने तीसरे क्वार्टर के आखिर में ब्रेकथ्रू पाया और 42वें मिनट में इंडिया की लीड 4–3 कर दी।चौथे क्वार्टर के शुरुआती दौर में दोनों टीमों ने एक–दूसरे पर अटैक करना जारी रखा, लेकिन इंडिया ने आखिरकार सिर्फ तीन मिनट के अंदर तीन गोल करके मैच का रुख पलट दिया।गुरसेवक सिंह

ने 55वें मिनट में भारत को बढ़त दिलाई। इसके एक मिनट बाद अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर फिर से गोल करके स्कोर 6–3 कर दिया। इसके बाद आर्यन जेस ने 58वें मिनट में निर्णायक गोल को 7–3 से भारत की जीत पर मुहर लगाई।कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिकर अनमोल एक्का ने 2 गोल किए। टूर्नामेंट में उनके गोलों की संख्या आठ हो गई।जीत के साथ भारतीय टीम के तीन मैचों में सात अंक हो गए हैं। इसमें एक ड्रॉ भी शामिल है। हार के बाद, दक्षिण कोरिया के छह अंक हो गए हैं। दक्षिण कोरिया का अगला मैच जापान के साथ है।भारतीय टीम सेमीफाइनल के करीब पहुंच गई है।

रिकी पोंटिंग आस्ट्रेलिया चैंपियंस फ्रेंचाइजी के सह मालिक

रिकी पोंटिंग ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस फ्रेंचाइजी के सह–मालिक बने हैं, जबकि डेविड वॉर्नर को आगामी वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स सीजन 3 के लिए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह कदम टीम को अनुभव और नेतृत्व प्रदान करने के साथ ही ॅब्स- के इस सबसे बड़े संस्करण में ऑस्ट्रेलिया चौंपियंस की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करेगा।मेलबर्न में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लीग ने घोषणा की कि रिकी पोंटिंग श्ऑस्ट्रेलिया चौंपियंसश फ्रैंचाइजी के मालिक बन गए हैं, जबकि डेविड वॉर्नर को आने वाले श्वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लेजेंड्सश सीजन 3 के लिए कप्तान नियुक्त किया गया है। मंगलवार को यूरेका 89 में हुई ऑस्ट्रेलिया चैंपियंसः ए न्यू एरा प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट औरॅब्स- की कई जानी–मानी हस्तियां शामिल हुईं। पोंटिंग फ्रैंचाइजी के सह–मालिक के तौर पर पुनीत सिंह के साथ जुड़े और आने वाले सीजन से पहले टीम की नई पहचान का अनावरण किया। आक्रामक ओपनिंग बैटिंग के लिए मशहूर वॉर्नर को ऑस्ट्रेलिया चौंपियंस टीम में एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है और वह WCL सीजन 3 में टीम की कप्तानी करेंगे। नए रूप में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस उस टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे हैं जिसे आयोजकॅब्स- का अब तक का सबसे बड़ा एडिशन बता रहे हैं। इसमें दुनिया भर के फैन्स के लिए और भी

ज्यादा दिग्गज खिलाड़ी, कड़ी टक्कर और बेहतर मनोरंजन देखने को मिलेगा। अपना उत्साह जाहिर करते हुए पोंटिंग ने कहा कि मैं ऑस्ट्रेलिया चौंपियंस और वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हूँ। पुनीत और टीम के साथ, और डेविड की अगुवाई में, हमारे पास ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट फैन्स के लिए कुछ खास करने का शानदार मौका है। ऑस्ट्रेलिया चौंपियंस के मालिक पुनीत सिंह ने कहा कि यह ऑस्ट्रेलिया चौंपियंस के लिए एक बहुत ही रोमांचक नया अध्याय है। रिकी के हमारे साथ जुड़ने और डेविड के कप्तानी संभालने से हमें जबरदस्त अनुभव, लीडरशिप और ताकत मिली है। हम सच में कुछ खास बनाने के लिए तैयार हैं। डेविड वॉर्नर ने कहा कि मैंॅब्स- सीजन 3 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस की कप्तानी करने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। मैदान पर वापसी करने, खेल के कुछ महान खिलाड़ियों के साथ खेलने और फैन्स को जश्न मनाने का मौका देने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स के फाउंडर और ब्म् हर्षित तोमर ने कहा कि रिकी, पुनीत और डेविड के साथ ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस का इस नए दौर में प्रवेश करना WCL के लिए एक बहुत बड़ा पल है। सीजन 3 अब तक का हमारा सबसे बड़ा सीजन बनने जा रहा है, और यह तो बस शुरुआत है।

बीबीएल में निजी निवेश मेलबर्न रेनेगेड्स की बिक्री प्रक्रिया से शुरू होगी, सीए ने दी मंजूरी

मेलबर्न ,। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) बोर्ड ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में निजी निवेश की आधिकारिक अनुमति दे दी है। इस प्रक्रिया की शुरुआत मेलबर्न रेनेगेड्स की बिक्री प्रक्रिया से शुरू होगी। सीए ने मंगलवार को घोषणा की कि वो रेनेगेड्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए निजी मालिकों से बोलियां मंगाएगा, ताकि क्लब 2027–28 विमेंस बीबीएल और बीबीएल सीजन नए मालिकाना हक में खेल सके। बिक्री प्रक्रिया से आगामी विमेंस बीबीएल और बीबीएल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। रेनेगेड्स को सीए केयरटेकर मोड में चलाएगा। सीए ने एक बयान में कहा, ,08 सितंबर ,इस सेल्फ–डिटरमिनेशन मॉडल के साथ आगे बढ़ने का फैसला ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट के सभी पहलुओं के हित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इससे समुदाय, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रास्तों और एलीट क्रिकेट के लिए फंडिंग बढ़ेगी। टेस्ट क्रिकेट की अहमियत को बचाया जाएगा। हमारी नेशनल टीमों और बिग बैश लीग में सबसे अच्छे खिलाड़ियों को विकसित करना जारी रखा जाएगा। हमारे ब्रांड, फैन एंगेजमेंट और कमर्शियल ताकत को बढ़ाया जाएगा।,08 सितंबर ,बोर्ड ने कहा, ,08 सितंबर ,जब तक रेनेगेड्स की बिक्री की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, सीए अपने सदस्यों और ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन के साथ अच्छी बातचीत जारी रखेगासीए ने कहा कि एक बार रेनेगेड्स का लाइसेंस बिक जाने के बाद, वह एक सेल्फ–डिटरमिनेशन (आत्मनिर्भर) मॉडल के तहत दूसरे क्लबों को भी मार्केट में लाने पर विचार करेगा, जो हर राज्य के सदस्य को अपने क्लब और समुदाय के लिए सबसे अच्छा रास्ता देखने की क्षमता देगाहोबार्ट हरिकेन्स, मेलबर्न स्टार्स और पर्थ स्कॉर्चर्स दूसरे ऐसे क्लब हैं जो कथित तौर पर निजी निवेश लाने के इच्छुक हैं।इस बीच, क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की सिडनी की दो टीमें सिक्सर्स और थंडर, साथ ही ब्रिस्बेन हीट और एडिलेड स्ट्राइकर्स इस स्टेज पर निजी निवेश के साथ आगे बढ़ने में हिचकिचा रही हैं।बिक्री की प्रक्रिया के तहत, रेनेगेड्स के मामले में क्लब के नाम, रंग और ब्रांडिंग में बदलाव के लिए सीए से और दूसरे क्लबों की बिक्री के लिए संबंधित राज्य निकाय से मंजूरी लेनी होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने कहा कि सीए और उसके राज्य सदस्य बीबीएल और विमेन बीबीएल में निवेश करने और उन्हें बढ़ाने, हर स्तर पर क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के अपनी प्रतिबद्धताओं में एक साथ हैं। सीए और उसके सदस्य ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट ऑपरेशन्स के सबसे जरूरी पहलुओं पर नियंत्रण बनाए रखेंगे।

यूपीआई भारत के पेमेंट इकोसिस्टम का अहम हिस्सा है, आयरलैंड यूरोपीय संघ में इसकी संभावनाएं तलाशने को उत्सुक है- आईडीए आयरलैंड

मुंबई ,। भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की वैश्विक सफलता अब यूरोपीय देशों का भी ध्यान आकर्षित कर रही है। आयरलैंड की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी आईडीए आयरलैंड के फिनटेक एवं पेमेंट्स प्रमुख सीन मैकविलियम्स ने सोमवार को कहा कि आयरलैंड यूपीआई की तेज प्रगति को समझना चाहता है और यह भी जानना चाहता है कि इस मॉडल का उपयोग आयरलैंड, यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य बाजारों में किस प्रकार किया जा सकता है।

मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल के दौरान न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में मैकविलियम्स ने कहा कि भारत की यात्रा का उनका मुख्य उद्देश्य देश के तेजी से विकसित हो रहे फिनटेक और डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को समझना है। साथ ही वे यह भी जानना चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना बना रही भारतीय कंपनियों के लिए आयरलैंड किस प्रकार सहयोगी भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि यूपीआई आज भारत की भुगतान व्यवस्था का एक केंद्रीय स्तंभ बन चुका है और दुनिया भर के देश ऐसे समाधानों की तलाश कर रहे हैं जो भुगतान को अधिक सरल, तेज, सुलभ और सुविधाजनक बना सकें।

मैकविलियम्स ने कहा, मैं विशेष रूप से यह समझने में रुचि रखता हूं कि भारत में यूपीआई की सफलता का आयरलैंड और यूरोपीय संघ के लिए क्या महत्व हो सकता है। साथ ही यह भी देखना चाहता हूं कि आयरलैंड में हो रहे फिनटेक नवाचारों और यूपीआई मॉडल के बीच किस प्रकार की संभावित समानताएं या सहयोग के अवसर मौजूद हैं।उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान क्षेत्र में भारत द्वारा हासिल की गई प्रगति दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन का विषय बन चुकी है। भारत ने बड़ी आबादी को डिजिटल वित्तीय सेवाओं से जोड़ते हुए भुगतान प्रणाली को व्यापक और समावेशी बनाया है, जिससे अन्य देशों को भी महत्वपूर्ण सीख मिल सकती है।

मैकविलियम्स ने बातचीत के दौरान आयरलैंड की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रणनीति का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि आयरलैंड ने हाल ही में राष्ट्रीय एआई रणनीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य देश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एआई नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाना है।

उन्होंने कहा कि इस रणनीति का फोकस उभरती प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने, कौशल विकास, प्रतिभा निर्माण और जिम्मेदार व नियामक ढांचे के भीतर नवाचार को प्रोत्साहित करने पर है।

उन्होंने आगे कहा कि वित्तीय सेवाओं में नवाचार की आयरलैंड की मजबूत परंपरा रही है और अब एआई अगली बड़ी तकनीकी क्रांति के रूप में उभर रही है। इससे बहुराष्ट्रीय फिनटेक कंपनियों के साथ–साथ स्टार्टअप्स को भी वैश्विक विस्तार में सहायता मिल सकती है।

मैकविलियम्स ने बताया कि इस वर्ष यूरोपीय संघ की अध यक्षता के तहत आयरलैंड 14 अक्टूबर को एक अंतरराष्ट्रीय एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें वैश्विक कंपनियां, नीति–निर्माता और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ भाग लेंगे।

सम्मेलन में एआई से जुड़ी चुनौतियों, अवसरों और प्रमुख रुझानों पर चर्चा होगी तथा आयरलैंड को एआई नवाचार केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक विस्तार की योजना बना रही भारतीय कंपनियों के लिए आयरलैंड कई महत्वपूर्ण लाभ प्रदान कर सकता है।

दुनिया के सबसे बड़े डायमंड बोर्स पहुंचे बेल्जियम के प्रधानमंत्री, 100 साल पुरानी हीरा साझेदारी में नया मील का पत्थर

मुंबई,। भारत डायमंड बोर्स (बीडीबी) ने पूरे भारतीय हीरा उद्योग की ओर से शुक्रवार को बीकेसी, मुंबई स्थित बोर्स में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर और उनके आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह दोनों देशों के हीरा उद्योगों के बीच 100 साल से अधिक पुरानी साझेदारी में एक ऐतिहासिक नया मील का पत्थर है, क्योंकि यह पहला मौका है जब बेल्जियम सरकार के प्रमुख ने दुनिया के सबसे बड़े ऑपरेशनल डायमंड बोर्स का दौरा किया है।

यह दौरा इसलिए भी और महत्वपूर्ण हो गया क्योंकि यह भारत–ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हुआ है, जिसने दोनों देशों के बीच, विशेष रूप से हीरा और आभूषण क्षेत्रों में, संबंधों और सहयोग को गहरा करने का मार्ग प्रशस्त किया है। औद्योगिक नेताओं ने कहा कि हीरा वैल्यू चेन में अपनी–अपनी अनूठी स्थिति वाले इन दोनों केंद्रों के बीच आज की यह बातचीत एक नए अध्याय की शुरुआत है। दोनों पक्षों ने उद्योग की अखंडता को मजबूत करने, हीरा व्यापार में विश्वास को बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी रूप से बढ़ता रहे, में सहयोग करने और साझा जिम्मेदारी निभाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत और बेल्जियम के बीच घनिष्ठ संबंधों पर जोर देते हुए, बीडीबी के अध्यक्ष अनूप मेहता ने कहा कि दोनों देश एक व्यापारिक साझेदारी से कहीं अधिक साझा करते हैं, क्योंकि कई भारतीय हीरा व्यापारी, विशेष रूप से गुजरात के, एंटवर्प को अपना घर बना चुके हैं।उन्होंने कहा कि जब बीडीबी की योजना बन रही थी, तो एक टीम ने एंटवर्प का दौरा किया और वहां से सबक और प्रेरणा ली, जिसने मुंबई में एक वास्तविक अंतरराष्ट्रीय हीरा व्यापार केंद्र बनाने में उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा कि बीडीबी के उपाध्यक्ष मेहुल शाह वर्तमान में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डायमंड बोर्सेज के अध्यक्ष हैं, जो 1947 से व्यापार की वैश्विक शीर्ष संस्था है और जिसका मुख्यालय एंटवर्प में है।

भविष्य को लेकर अनूप मेहता ने कहा, ष्दुनिया तेजी से बदल रही है, और हमारे उद्योग को साझेदारी में अनुकूलन करना होगा। हमारा साझा उद्देश्य एक ऐसा हीरा व्यापार बनाना होना चाहिए जो न केवल समृद्ध हो, बल्कि निष्पक्ष, पारदर्शी और टिकाऊ भी हो। जीजेईपीसी के चेयरमैन किरिट भंसाली ने कहा कि उद्योग को बेल्जियम के प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है, ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंचों में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका उद्योग के भविष्य को आकार देने में मदद कर रही है।

आपसी समृद्धि के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए भंसाली ने कहा कि 2025–26 में रत्न और आभूषण क्षेत्र में भारत–बेल्जियम व्यापार लगभग 3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था, और भारत में कट और पॉलिश किए गए लाखों हीरों में से कई की यात्रा एंटवर्प से होकर गुजरती है।

उन्होंने कहा, ये केवल आंकड़े नहीं हैं। ये व्यवसायों, आजीविकाओं और भारत भर में परिवारों का भरण–पोषण करने वाली पांच मिलियन से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो सभी इस वैश्विक वैल्यू चेन में बुने हुए हैं। भारत डायमंड बोर्स दुनिया के सबसे बड़े हीरा व्यापार केंद्रों में से एक है और भारत के वैश्विक हीरा व्यापार का एक प्रमुख केंद्र है। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी), मुंबई में स्थित, बीडीबी प्रमुख हीरा निर्माताओं, व्यापारियों, आयातकों, निर्यातकों और उद्योग सेवा प्रदाताओं को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सुरक्षित व्यावसायिक सुविधाओं के साथ एक ही छत के नीचे एक साथ लाता है।

दीप्ति शर्मा का जलवा!आईसीसी महिला टी 20 रैंकिंग में नम्बर 6 पर पहुंचीं भारतीय स्पिनर

भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर प्ब्ब् महिला ज्20प् गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर छठा स्थान प्राप्त किया है। इस दमदार प्रदर्शन ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए उनकी अहमियत को रेखांकित किया है, जहां वह अब शीर्ष स्थान पर मौजूद खिलाड़ी से 60 रेटिंग पॉइंट पीछे हैं। ाारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, टीम इंडिया के लिए चल रहे महिला एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर प्ब्ब् महिला ज्20प् बॉलर रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुँच गई हैं। दीप्ति एशिया कप में भारत के लिए बेहतरीन फॉर्म में रही हैंय इस राइट–आर्म स्पिनर ने तीन मैचों में आठ विकेट लिए हैं और अपनी टीम को टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुँचाने में मदद की है। इस प्रदर्शन से दीप्ति ज्20प् बॉलर्स की ताजा रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर आ गई हैं, जबकि उनकी साथी खिलाड़ी श्री चरणी अभी भी नंबर एक बॉलर बनी हुई हैं।दीप्ति पिछले साल दिसंबर में पहली बार टॉप रैंकिंग पर पहुँची थीं और अब वह चमारी से 60 रेटिंग पॉइंट पीछे हैं। इन दोनों भारतीय स्टार खिलाड़ियों के बीच सिर्फ सोफी एक्लेस्टोन, चार्ली डीन, नोंकुलुलेको म्लाबा और लॉरेन बेल ही हैं। इस हफ्ते ज्20प् गेंदबाजों की अपडेटेड रैंकिंग में कुछ और खिलाड़ियों ने भी अच्छी बढ़त हासिल की, जिनमें मारुफा अख्तर (19 स्थान ऊपर चढ़कर 18वें नंबर पर) शामिल हैं।एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के बाद चमारी अथापथु (पाँच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 28वें नंबर पर) और सुल्ताना खातून (नौ स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 37वें नंबर पर) ने भी रैंकिंग में सुधार किया। ज्20प् गेंदबाजों की रैंकिंग में थाईलैंड की जोड़ी थिपचा पुट्टावोंग (चार स्थान ऊपर चढ़कर 47वें नंबर पर) और सुलीपोर्न लाओमी (10 स्थान ऊपर चढ़कर 53वें नंबर पर) के लिए भी अच्छी

खाध्बर रही, जबकि ज्20प् बल्लेबाजों की लिस्ट में बांग्लादेश की जोड़ी शोभना मोस्तरी (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर) और दिलारा अख्तर (पाँच स्थान ऊपर चढ़कर 62वें नंबर पर) ने भी बढ़त हासिल की।आयरलैंड के साथ इंग्लैंड की घरेलू सीरीज खत्म होने के बाद ताजा वनडे रैंकिंग में काफी बदलाव हुए। वनडे ऑल–राउंडर्स की लिस्ट में टॉप 10 के अंदर सबसे बड़ी छलांग इंग्लैंड की स्टैंड–इन कप्तान चार्ली डीन ने लगाई, जो एक पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुँच गईं। तीन मैचों की सीरीज में तीन विकेट लेने के बाद डीन वनडे बॉलर्स की रैंकिंग में भी दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर पहुँच गईं।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में खुला, रियल्टी और आईटी पर दबाव

मुंबई ,।भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत मंगलवार को लाल निशान में हुई। सुबह 9रू20 पर सेंसेक्स 332 अंक या 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 75,800 और निफ्टी 86 अंक या 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,692 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में दबाव रियल्टी और आईटी शेयरों में देखा जा रहा था। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी पीएसयू बैंक भी लाल निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसई और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग हरे निशान में थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी कमजोरी देखी

गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 31 अंक या 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,067 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 98 अंक या 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,688 पर था।

सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, एमएंडएम, सन फार्मा, टीसीएस, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एलएंडटी और एसबीआई लूजर्स थे। बीईएल, इटरनल, अदाणी पोर्ट्स और बजाज फिनसर्व गेनर्स थे।एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखा गया। टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक, सोल और जकार्ता हरे निशान में थे, जबकि हांगकांग लाल निशान में था। अमेरिकी बाजार सोमवार को लेबर डे की छुट्टी के कारण बंद थे।

जानकारों ने कहा कि बाजार में अब लगातार पांचवें हफ्ते से ध ीरे–धीरे लेकिन लगातार गिरावट देखी जा रही है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, आईटी शेयरों में बिकवाली, इस महीने फेड द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की आशंका और तेजी से बढ़ते आईपीओ बाजार (जो काफी पैसा खींच रहा है) ने बाजार में इस धीमी गिरावट में योगदान दिया है।उन्होंने आगे कहा कि इस गिरावट की वजह बने मैक्रो–फैक्टर अभी भी मौजूद हैं।

यूएस ओपन पहला दो सेट गंवाने के बाद बोटिक ने आर्थर गेआ को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

न्यूयॉर्क,। यूएस ओपन 2026 में बोटिक वैन डे जैंडशुल्प ने करिश्माई प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। बोटिक ने दो सेट पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए फ्रांस के आर्थर गेआ को 3–6, 6–7(0), 7–6(7), 7–6(6), 6–4 से हराया। मैच 5 घंटे 13 मिनट तक चला। यह यूएस ओपन इतिहास का चौथा सबसे लंबा एकल मुकाबला था। अपना पहला यूएस ओपन मेन ड्रॉ खेल रहे 87वें नंबर के आर्थर गेआ ने पहला सेट 6–3 से जीता। इसके बाद दूसरा सेट, उन्होंने 7–0 से जीता। लगातार 2 सेट में जीत के बाद आर्थर गेआ का क्वार्टर फाइनल निश्चित लग रहा था, लेकिन बोटिक वैन डे जैंडशुल्प ने यहीं से ऐतिहासिक वापसी की और लगातार तीन सेट जीत मैच अपने नाम किया। तीसरा सेट रोमांचक रहा और टाईब्रेक तक पहुंच गया। गेआ मैच पॉइंट पर पहुंच गए, जिससे वह सचमुच एक ऐतिहासिक जीत से एक पॉइंट दूर थे, लेकिन तीसरे सेट के टाईब्रेकर में 6–5 के स्कोर पर मैच पॉइंट पर गेआ ने फोरहैंड वॉली को मिस–हिट या बुरी तरह से हिट किया और फिर एक वॉली मिस कर दी जो लग रहा था कि वाइड जा सकती थी। नीदरलैंड के बोटिक ने 9–7 से टाईब्रेकर से बच निकले और तीसरा सेट जीत लिया।चौथे सेट में गेआ अपने बोटिक को अपनी क्षमता के मुताबिक नियंत्रित करने की कोशिश करते रहे और आखिरकार उस पॉइंट पर पहुंच गए जहां वह मैच के लिए सर्व कर रहे थे, लेकिन मैच खत्म नहीं कर पाए। बोटिक ने चौथा सेट टाईब्रेक में 7–3 से जीता। पांचवां सेट वैन डे जैंडशुल्प का रहा। उन्होंने 21 साल के गाअे के खिलाफ पांचवां सेट 6–4 से जीता।30 साल के बोटिक ने बेहद यादगार तरीके से क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

धनुष की फिल्म ओम चैप्टर 1 से ममूटी का दमदार अवतार आया सामने

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार ममूटी ने अपने फैंस को शानदार तोहफा दिया है। उन्होंने सुपरस्टार धनुष की आगामी फिल्म ओमरू चौप्टर 1 से अपने किरदार की एक झलक दिखाई है, जिसके जरिए वह तमिल सिनेमा में वापसी कर रहे हैं। राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का टीजर सोशल मीडिया पर जारी हुआ है, जिसमें ममूटी को केंद्र में दिखाया गया है। उनकी उपस्थिति फिल्म में एक्शन, इमोशन और स्टाइल के मिश्रण का संकेत देती है। ओमरू चौप्टर 1 के टीजर में, ममूटी को कार्तिकेय के रूप में दिखाया गया है, जो सिया नाम से जुड़ा एक किरदार है और जिसे एक अंतरराष्ट्रीय तस्कर के रूप में वर्णित किया गया है।उनकी दमदार उपस्थिति से पता चलता है कि फिल्म में उनका किरदार शक्ति और भावनात्मक गहराइयों से भरपूर होगा। कहानी को फिलहाल गुप्त रखा गया है।इसके जरिए ममूटी 7 साल बाद तमिल सिनेमा में लौटे हैं। उनकी आखिरी फिल्म पेरंबु (2019) थी।धनुष अपनी वंडरबार स्टूडियोज और आरटेक स्टूडियोज की साझेदारी में ओमरू चौप्टर 1 का निर्माण कर रहे हैं। इसका संगीत साई अभ्यंकर ने संगीत दिया है।फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। वहीं, श्रीलीला एक अहम किरदार में शामिल होंगी। नसीरुद्दीन शाह भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं और यह उनकी पहली तमिल फिल्म होने वाली है।

रिलीज से पहले वाइब का छाया खुमार, कुणाल खेमू की फिल्म का टाइटल ट्रैक श्ऐसी मेरी वाइब जारी

अभिनेता कुणाल खेमू की आगामी फिल्म वाइब अपनी रिलीज से पहले ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। ड्रॉगो फिल्म्स के बैनर तले बनी इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म के ट्रेलर को कुछ दिन पहले जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। अब निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक गीत श्ऐसी मेरी वाइब्य जारी कर दिया है। गाने में फिल्म के सभी प्रमुख कलाकार एक साथ नृत्य करते नजर आ रहे हैं। इसका फिल्मांकन कुणाल खेमू, प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर पर किया गया है। गाने में कुणाल खेमू और स्पर्श श्रीवास्तव का जोशीला नृत्य खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

श्ऐसी मेरी वाइब्य को खिलारी, इरफाना और कन्फ्यूजन ने अपनी आवाज दी है। कनिष्क पाल ने गाने का संगीत तैयार किया है, जबकि इसके बोल शुभम सोपान, खिल्लारी और इरफाना हमीद ने लिखे हैं।

तेज और जोशीले संगीत से भरपूर यह गाना युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। गाने में फिल्म के प्रमुख कलाकारों की ऊर्जा और नृत्य का अंदाज देखने को मिलता है। माना जा रहा है कि इसकी धुन और प्रस्तुति दर्शकों को थिरकने के लिए मजबूर कर सकती है। इससे पहले वाइब का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। ट्रेलर में एक्शन और हास्य का मिश्रण देखने को मिला था। फिल्म की कहानी और कलाकारों के किरदारों को लेकर भी दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है।फिल्म का निर्देशन और कहानी से जुड़ी अन्य जानकारी निर्माताओं की ओर से धीरे-धीरे सामने लाई जा रही है। टाइटल ट्रैक जारी होने के बाद फिल्म के प्रचार अभियान को भी गति मिलने की उम्मीद है।श्वाइब्य का निर्माण टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। फिल्म में कुणाल खेमू और प्रीति जिंटा के साथ स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

करण जौहर की स्टूडेंट आफ द ईयर 3 बनेंगी शनाया कपूर, इस बार होगा बड़ा बदलाव

करण जौहर की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी स्टूडेंट ऑफ द ईयर की तीसरी कड़ी पर अपडेट आ गया है। इस साल आई फिल्म तू या मैं से दर्शकों को प्रभावित करने के बाद, शनाया कपूर तीसरी कड़ी का हिस्सा होंगी। हालांकि, यह एक नए रूप में दर्शकों के सामने आएगी और यह बिल्कुल अलग तरह की कहानी होगी। बताया जा रहा है कि करण के धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा समर्थित इस परियोजना को फिल्म नहीं, बल्कि वेब सीरीज का रूप दिया गया है।

सूत्र ने कहा, सबसे पहले तो, जहां स्टूडेंट ऑफ द ईयर (2012) और स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 (2019) फिल्में थीं, वहीं स्टूडेंट ऑफ द ईयर का तीसरा भाग एक वेब सीरीज होगा। दूसरे, पहले 2 भाग हल्के-फुल्के मनोरंजन वाले थे। वहीं, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 बिल्कुल अलग तरह की कहानी है।

उन्होंने बताया कि यह ज्यादा गंभीर, चुनौतीपूर्ण और गहन होगी। इसे क्लास और यूफोरिया के मिश्रण के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्र ने आगे कहा, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 इसी साल जियोहॉटस्टार पर रिलीज होने की उम्मीद है। इसका नाम स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3- आफ्टर द डार्क हो सकता है।

हालांकि, सूत्र ने यह भी स्पष्ट किया कि अंतिम पुष्टि निर्माताओं के ऐलान के बाद होगी।

बता दें, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 का निर्देशन रीमा माया ने किया है। बताया जा रहा है कि इसमें शनाया को दोहरी भूमिका निभाते हुए देखा जा सकता है।

कंसीलर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा सही शेड

कंसीलर एक ऐसा मेकअप उत्पाद है, जो आंखों के नीचे के काले घेरे, मुंहासों के निशान और अन्य असमानताओं को छिपाने में मदद करता है। सही कंसीलर चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, क्योंकि बाजार में कई तरह के शेड और फॉर्मूले होते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी मेकअप टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप अपने लिए सही कंसीलर चुन सकती हैं और अपने चेहरे को बेहतरीन तरीके से सजा सकती हैं।अपनी त्वचा का अंडर टोन जानें

सही कंसीलर चुनने के लिए सबसे पहले अपनी त्वचा का अंडर टोन जानना जरूरी है। अगर आपकी त्वचा का टोन गर्म है तो पीले या सुनहरे शेड वाले कंसीलर चुनें।ठंडे टोन वाली महिलाओं को गुलाबी या नीले शेड वाले कंसीलर अच्छे लगते हैं। न्यूट्रल टोन वाली महिलाओं के लिए मिक्स शेड वाले कंसीलर बेहतर होते हैं।इससे आपका मेकअप प्राकृतिक लगेगा और आपकी त्वचा की खामियां आसानी से छिप जाएंगी।

एनबीके111 के शीर्षक से उठा पर्दा, दादा बनकर खौफ पैदा करेंगे बालकृष्ण, 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

दक्षिण भारतीय फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता नटसिम्हा बालकृष्ण एक बार फिर अपने दमदार और आक्रामक अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। बालकृष्ण और निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी की जोड़ी आगामी फिल्म श्दादाय के लिए एक बार फिर साथ आई है। फिल्म को फिलहाल एनबीके111 के नाम से भी जाना जा रहा था। निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक और प्रदर्शन की तारीख जारी कर दी है।

निर्माताओं के अनुसार, फिल्म 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के अवसर पर बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म के शीर्षक ने सामने आते ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है।

श्दादाय को लेकर दर्शकों में इसलिए भी खास उत्साह है, क्योंकि बालकृष्ण और गोपीचंद मालिनेनी इससे पहले श्वीरा सिम्हा रेड्डीय जैसी सफल जन-मनोरंजन और मारधाड़ से भरपूर फिल्म दे चुके हैं।दोनों की पिछली फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। ऐसे में इस नई फिल्म से भी काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। निर्माताओं ने जिस अंदाज में फिल्म की पहली झलक पेश की है, उससे साफ है कि यह भी बड़े पैमाने की कार्रवाई और मनोरंजन से भरपूर फिल्म होगी।फिल्म की जारी की गई 1 मिनट 12 सेकंड की झलक में बालकृष्ण का बेहद आक्रामक रूप देखने को मिलता है। दृश्य में उन्हें कई खलनायकों से घिरा हुआ दिखाया गया है। इसके बाद फिल्म का शीर्षक सामने आता है और बालकृष्ण अपने खास अंदाज में विरोधियों को कड़ी चेतावनी देते नजर आते हैं।

फिल्म के संगीतकार थमन का पृष्ठभूमि संगीत इस पूरे दृ श्य को और प्रभावशाली बनाता है। बालकृष्ण का संवाद अदायगी और उनका आक्रामक व्यक्तित्व झलक में फिल्म के तेवर को स्पष्ट करता है।फिल्म में अभिनेत्री काजल अग्रवाल मुख्य महिला भूमिका में नजर आएंगी। बताया गया है कि वह मुंबई की एक दमदार पुलिस अधिकारी का किरदार निभाएंगी। उनके किरदार को भी फिल्म की कहानी में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।वहीं, अभिनेता मंचू मनोज के फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाने की

चर्चा है। हालांकि, उनके किरदार को लेकर निर्माताओं की ओर से विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।श्दादाय का निर्माण वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म के निर्माता वेंकट सतीश किलारू हैं। बालकृष्ण और गोपीचंद मालिनेनी की पिछली सफल साझेदारी को देखते हुए इस परियोजना को लेकर दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में भी काफी उम्मीदें हैं।

सीरीज शक की रिलीज तारीख आई, लापता बच्चे की तलाश भटकती दिखेंगी परिणीति चोपड़ा

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एक बार फिर डिजिटल मंच पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी रहस्य-रोमांचक श्रृंखला श्शकरू ट्रस्ट नो वन्य की प्रदर्शन तिथि घोषित कर दी गई है। इस श्रृंखला का निर्माण चर्चित फिल्म निर्माता सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने किया है, जबकि इसका निर्देशन रेनसिल डीसिल्वा ने किया है।पहले इस श्रृंखला का नाम श्तलाशरू ए मदर्स सर्च्य रखा गया था, जिसे अब बदलकर श्शकरू ट्रस्ट नो वन्य कर दिया गया है। निर्माताओं के अनुसार, बदला हुआ नाम श्रृंखला की रहस्यमय कहानी और उसमें मौजूद संदेह के माहौल को बेहतर तरीके से दर्शाता है।डिजिटल मंच नेटफ्लिक्स ने श्रृंखला के प्रदर्शन की तारीख की घोषणा की है। मंच की ओर से श्रृंखला का पोस्टर जारी करते हुए लिखा गया, शक की सुई चल पड़ी है, तारीख नजदीक आ रही है।श्शकरू ट्रस्ट नो वन्य को 24 सितंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स के सदस्य दर्शक देख सकेंगे। श्रृंखला की घोषणा इसी साल की शुरुआतमें की गई थी और तब से परिणीति चोपड़ा के प्रशंसकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बनी हुई थी।श्शकरू ट्रस्ट नो वन्य की कहानी एक मां और उसके नौ साल से लापता बच्चे की तलाश के इर्द-गिर्द घूमती है। बच्चे के अचानक गायब होने के बाद मां उसकी तलाश में जुटती है। इस दौरान उसके सामने कई ऐसे सवाल और रहस्य सामने आते हैं, जो कहानी को रहस्य और रोमांच से भर देते हैं।श्रृंखला में परिणीति चोपड़ा के अलावा ताहिर राज हुसैन, सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, व्यास सुमित और हर्लिन सेठी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।इस श्रृंखला का निर्माण सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने किया है। वह भविष्य में दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी के जीवन पर आधारित जीवनीपरक फिल्म भी लेकर आने वाले हैं। वहीं श्शकरू ट्रस्ट नो वन्य का निर्देशन रेनसिल डीसिल्वा ने किया है, जो रहस्य और गंभीर विषयों को पर्दे पर प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं।

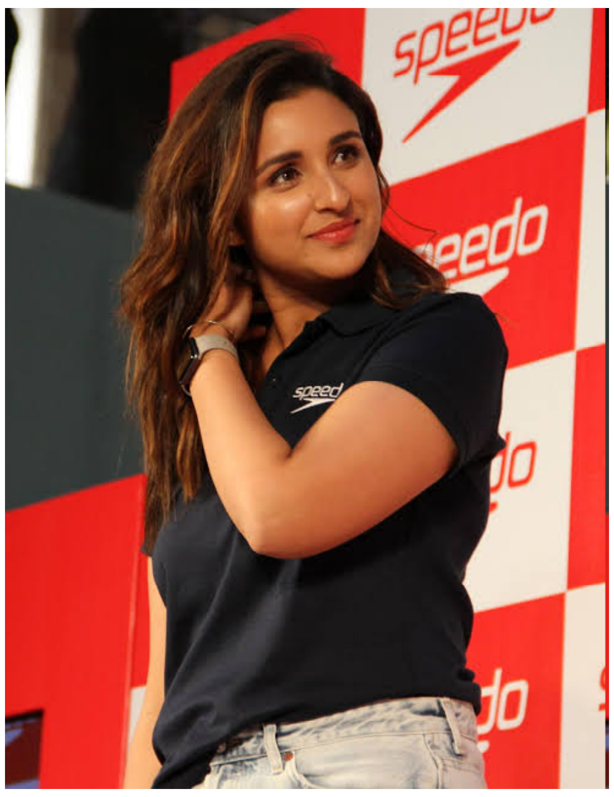

रजनीकांत की धर्मन की शूटिंग का दूसरा शेडूल पूरा, खास वीडियो ने बढ़ाई प्रशंसकों की उत्सुकता

चेन्नई सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित तमिल फिल्म श्धर्मन्त्य का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। निर्देशक अश्वथ मारिमुथु के निर्देशन में बन रही फिल्म की शूटिंग का दूसरा चरण हाल ही में पूरा हुआ है। निर्माताओं ने इस मौके पर रजनीकांत की मौजूदगी वाला एक विशेष वीडियो जारी किया है, जिसे प्रशंसकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।फिल्म के शीर्षक और प्रथम झलक वाले पोस्टर को पहले ही जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल चुकी है। पोस्टर में रजनीकांत के किरदार श्धर्मन्त्य को श्द डेडली डॉक्टरस्य यानी श्घातक डॉक्टरस्य की दिलचस्प पहचान के साथ पेश किया गया है। इस टैगलाइन ने फिल्म की कहानी और रजनीकांत के किरदार को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।शूटिंग का दूसरा चरण पूरा होने के बाद जारी किए गए वीडियो में रजनीकांत की शानदार मौजूदगी देखने को मिली है। फिल्म के निर्माण कार्य में तेजी आने के साथ ही यह परियोजना तमिल सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल होती जा रही है।

निर्माताओं ने फिल्म की कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी साझा नहीं की है, लेकिन प्रथम झलक और रजनीकांत के किरदार के परिचय ने फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। श्धर्मन्त्य की सबसे खास बात यह है कि यह लंबे समय से दोस्त रहे दिग्गज अभिनेता रजनीकांत और कमल हासन को एक परियोजना के लिए साथ ला रही है। कमल हासन और आर. महेंद्रन द्वारा राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया जा रहा है।यह फिल्म राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के साथ रजनीकांत की पहली अभिनय परियोजना है। ऐसे में दोनों दिग्गजों का यह सहयोग फिल्म को और खास बना रहा है।

चिरंजीवी की काका में अनस्वरा राजन की एंट्री, बोलीं- मेगा स्टार के साथ काम करना गौरव की बात

अभिनेत्री अनस्वरा राजन इन दिनों अपनी आगामी तेलुगु फिल्म काका को लेकर काफी उत्साहित हैं। मलयालम सिनेमा में अपनी पहचान बना चुकीं अनस्वरा ने तेलुगु फिल्म जगत में अभी केवल एक फिल्म के जरिए कदम रखा है, लेकिन अब उन्हें अभिनेता चिरंजीवी की आगामी फिल्म काका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिला है। फिल्म का निर्देशन बॉबी कर रहे हैं।

अनस्वरा ने रोशन की फिल्म चौंपियन के जरिए तेलुगु सिनेमा में पदार्पण किया था। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन अनस्वरा के अभिनय की काफी सराहना हुई। इसके बाद से ही माना जा रहा था कि तेलुगु फिल्म उद्योग में उनका भविष्य उज्ज्वल हो सकता है।

अब अनस्वरा को चिरंजीवी की फिल्म काका में अहम भूमिका मिलने से उनके प्रशंसकों में भी उत्साह है। फिल्म की रिलीज से पहले आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री ने चिरंजीवी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की।

अनस्वरा ने कहा, मैं चिरंजीवी सर के साथ पर्दा साझा करने को लेकर खुश और गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। सेट पर उन्हें देखकर मैंने बहुत कुछ सीखा है।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि चिरंजीवी के प्रशंसकों समेत दर्शकों को श्काकाय सिनेमाघरों में जरूर पसंद आएगी।

अनस्वरा राजन को उनके करियर के शुरुआती दौर में ही चिरंजीवी जैसे बड़े अभिनेता के साथ काम करने का अवसर मिलने को लेकर फिल्म जगत में भी चर्चा है। कई लोग अभिनेत्री की किस्मत और उनके अब तक के प्रदर्शन की तारीफ कर रहे हैं।

चौंपियन में उनके अभिनय की सराहना के बाद श्काकाय में महत्वपूर्ण भूमिका मिलना अनस्वरा के लिए तेलुगु सिनेमा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस फिल्म के जरिए उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बड़े वर्ग तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

अनस्वरा की लोकप्रियता और चिरंजीवी के साथ उनकी आगामी फिल्म को देखते हुए माना जा रहा है कि श्काकाय की सफलता उनके तेलुगु फिल्म करियर के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। फिल्म के प्रदर्शन के बाद उन्हें तेलुगु सिनेमा में और भी बड़ी फिल्मों के प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है।

बाक्स आफिस परमिर्जापुर द मूवी और हनुमान अंश का भौकाली वीकेंड, दोनों फिल्मों के शो चल रहे हाउसफुल

मिर्जापुररू द मूवी और हनुमान अंश ने बॉक्स ऑफिस पर आग लगा दी है. दोनों फिल्में ने 4 से लेकर 6 सितंबर तक बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की है. सबसे जरूरी बात यह रही है कि दोनों फिल्मों के सभी शो हाउसफुल रहे हैं. आइए एक नजर डालें मिर्जापुररू द मूवी और हनुमान अंश के वीकेंड परफॉर्मेंस पर...

पंकज त्रिपाठी की नई फिल्म मिर्जापुररू द मूवी 4 सितंबर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई फिल्म ने पहले ही दिन धमाकेदार ओपनिंग की. फिल्म को मिली सकारात्मक प्रतिक्रियाओं की वजह से शनिवार और रविवार को भारी संख्या में दर्शक फिल्म देखने के लिए पहुंचे, जिसकी वजह से शनिवार (5 सितंबर) और रविवार (6 सितंबर) इसके कलेक्शन में उछाल देखने को मिला.

सैकनिल्क के मुताबिक, मिर्जापुररू द मूवी की ने ओपनिंग डे पर भारत में 25.75 करोड़ रुपये की नेट कमाई की. दूसरे दिन पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ की वजह से फिल्म की कमाई में उछाल देखा गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को पंकज त्रिपाठी की फिल्म ने 32 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. रविवार को फिल्म में 12.5त्न का ग्रोथ रिकॉर्ड किया है. इस दिन फिल्म ने 36 करोड़ रुपये का बिजनेस किया.

3 दिनों के बाद भारत में मिर्जापुररू द मूवी का टोटल नेट कलेक्शन 93.75 करोड़ रुपये रहा. जबकि इसका ग्रॉस कलेक्शन 112.35 करोड़ रुपये रहा. वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो मिर्जापुररू द मूवी ने दुनियाभर में 132.35 करोड़ रुपये हो गया है.

वहीं, विशाल चतुर्वेदी की फिल्म हनुमान अंश ने भी वीकेंड पर तबाही मचाई और 31 दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने में सफल रही. बीते रविवार यानी 6 सितंबर को फिल्म बीते 1 महीने में सबसे ज्यादा कमाई की. सैकनिल्क के मुताबिक, 6 सितंबर को फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 22.75 करोड़ रुपये की नेट कमाई की, जिसके बाद इसका टोटल नेट कलेक्शन 122.13 करोड़ रुपये और टोटल ग्रॉस कलेक्शन 144.40 करोड़ रुपये हो गया है.

दोनों फिल्मों के शानदार परफॉर्मेंस को लेकर ट्रेड एनालिस्ट ने एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है,

हनुमान अंश-मिर्जापुर द मूवी के लिए एक जबरदस्त वीकेंड. थिएटर में बिजनेस ने पकड़ी रफ्तार पकड़ी है. इस वीकेंड (4-6 सितंबर 2026) ने इंडस्ट्री में बहुत खुशी ला दी है. सबसे अहम बात, बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त कमाई हुई है. तरण आदर्श ने बताया कि दोनों फिल्मों के शो हाउसफुल रहे हैं. उनके अनुसार, मिर्जापुररू द मूवी और हनुमान अंश दोनों ने ही शानदार प्रदर्शन किया है. सभी शो हाउसफुल रहे और हर मार्केट में दर्शकों की भारी भीड़ देखी गई. जहां मिर्जापुर द मूवी आज (सोमवार) 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली है, वहीं हनुमान अंश ने कल (रविवार) ही 100 करोड़ रुपये का माइलस्टोन हासिल कर लिया.

जहां मिर्जापुररू द मूवी में ज्यादातर कलाकार कालीन भैया से लेकर गुड्डू पंडित, मुन्ना त्रिपाठी, बीना त्रिपाठी वगैरह तक अपने पुराने रोल में ही हैं, वहीं जितेंद्र कुमार ने बबलू पंडित का रोल निभाने के लिए विक्रांत मैसी की जगह ली है. दूसरी तरफ, मोहित मलिक, सोनल चौहान और रवि किशन कास्ट में नए शामिल हुए हैं.

विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित हनुमान अंश में चंदन आनंद

और शोभिनव सत्या जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं. 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म 7 अगस्त, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी. फिल्म ने 50 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की है. हो सकता है कि सिनेमाघरों से हटने से पहले यह 100 करोड़ रुपये के क्लब में भी शामिल हो जाए.

टोट बैग खरीदने जा रहे हैं तो इन बातों का रखें खास ध्यान, होगा सही चयन

टोट बैग एक ऐसा फैशनेबल और काम में आने वाला बैग है, जिसे आप किसी भी अवसर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। यह न केवल आपके कपड़ों के साथ मेल खाता है, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी आदर्श होता है। हालांकि, सही टोट बैग चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप अपने लिए एक बेहतरीन टोट बैग चुन सकते हैं।आकार और बनावट पर ध्यान देंजब भी आप टोट बैग खरीदने जाएं तो सबसे पहले उसके आकार और बनावट पर ध्यान दें। छोटे आकार के बैग रोजमर्रा के छोटे सामानों के लिए अच्छे होते हैं।वहीं, बड़े आकार के बैग बड़े सामान, जैसे किताबें रखने के लिए उपयुक्त होते हैं। इसके अलावा बैग की बनावट भी अहम होती है।चौकोर आकार वाले बैग अधिक सामान समेटने में मदद करते हैं, जबकि गोल आकार वाले बैग अधिक स्टाइलिश लगते हैं।सामग्री का चयन समझदारी से करेंटोट बैग की सामग्री भी बहुत अहम होती है। कपड़े, लेदर या प्लास्टिक, हर सामग्री की अपनी खासियत होती है।कपड़े के बैग हल्के होते हैं और आसानी से साफ किए जा सकते हैं, जबकि लेदर के बैग अधिक टिकाऊ होते हैं। प्लास्टिक के बैग पानी से बचाने वाले होते हैं, लेकिन पर्यावरण के लिए नुकसानदायक होते हैं।इसलिए, अपनी जरूरतों और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को ध्यान में रखते हुए सामग्री का चयन करें।रंगों का मेल मिलान करेंटोट बैग का रंग भी आपके कपड़ों के साथ मेल खाना चाहिए, ताकि आपका लुक संपूर्ण लगे। अगर आप रोजमर्रा की पोशाक में साधारण कपड़े पहनती हैं तो चमकीले रंग का बैग आपके लुक में नयापन ला सकता है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक-शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।